• जयपुर, गुरुवार, 5 सितंबर 24 • वर्ष 14 • अंक 21 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

# चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

**सुविचार**

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● **स्वामी विवेकानंद**

पेज @3 मातृशक्ति वृक्षारोपण कर हर साल उसका जन्मदिन मनाने का संकल्प ले...

पेज @4 गहलोत के ओएसडी रहे देवाराम सैनी, पायलट के एसए रहे आकाश तोमर...

पेज @8 सड़क दुर्घटनाएं एवं उनसे कारित मृत्यु दर को कम करने के लिये समस्त...

# मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में मंत्रिमण्डल की बैठक

## पुलिस फोर्स में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण की मंजूरी

### कार्मिक परिवारजन की सामाजिक सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण निर्णय, पीपीओ में भी जुड़ सकेंगे विशेष योग्य बच्चों के नाम

चमकता राजस्थान

**जयपुर।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित मंत्रिमण्डल की बैठक में महिला सशक्तीकरण, विशेष योग्यजन एवं वृद्धजन कल्याण और प्रदेश के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण फैसले किए गए। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चन्द बैरवा तथा विधि एवं न्याय मंत्री श्री जोगाराम पटेल ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए मंत्रिमण्डल द्वारा लिए गए निर्णयों की जानकारी दी।

### पेंशनर्स को मिलेगा 5 प्रतिशत अतिरिक्त भत्ता

उप मुख्यमंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विधानसभा में राजस्थान विनियोग एवं वित्त विधेयक पर चर्चा के दौरान पेंशनर्स को राहत देते हुए 70 से 75 वर्ष के पेंशनर एवं पारिवारिक पेंशनर के लिए 5 प्रतिशत अतिरिक्त भत्ता दिए जाने की घोषणा की थी। इस क्रम में राजस्थान सिविल सेवा पेंशन नियम, 1996 के नियम 54बी को प्रतिस्थापित किए जाने की मंजूरी भी आज कैबिनेट में प्रदान की गई।

### जैसलमेर के रामगढ़ में लगेगी 3000 मेगावाट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजना

विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि राज्य सरकार बिजली उत्पादन बढ़ा कर प्रदेश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। इसी दिशा में आज कैबिनेट की बैठक में 3 हजार 150 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए भूमि आवंटन की स्वीकृतियां प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि क्रिस्टेलाइन टेक्नोलॉजी विद ट्रैकर पर आधारित 3000 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना जैसलमेर जिले की उपनिवेशन तहसील रामगढ़ नं.-1 में लगाई जाएगी। राजस्थान भू-राजस्व (नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों पर आधारित शक्ति संयंत्र स्थापित करने के लिए भूमि आवंटन) नियम, 2007 के अंतर्गत कुल 6877.66 हैक्टेयर भूमि इस प्रोजेक्ट के लिए आवंटित की जाएगी। इसके अतिरिक्त 150 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना के लिए जैसलमेर जिले की फतेहगढ़ तहसील में 300 हैक्टेयर भूमि आवंटन के प्रस्ताव का भी अनुमोदन किया गया है। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे एवं राज्य के राजस्व में बढ़ोतरी होगी।

## 3,150 मेगावॉट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजनाएं होंगी स्थापित

### पुलिस फोर्स में महिलाओं का बढ़ेगा प्रतिनिधित्व, राजस्थान पुलिस अधीनस्थ सेवा नियम, 1989 में संशोधन–

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चन्द बैरवा ने बताया कि विधानसभा चुनाव से पहले 'आपणो अग्रणी राजस्थान संकल्प पत्र-2023' में हमने महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पुलिस बल में महिलाओं की न्यूनतम 33 प्रतिशत भर्ती करने का वादा किया था। इसी संबंध में आज मंत्रिमण्डल की बैठक में राजस्थान पुलिस अधीनस्थ सेवा नियम, 1989 में संशोधन के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया है। कार्मिक विभाग द्वारा इस बारे में शीघ्र अधिसूचना जारी की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस निर्णय से प्रदेश में महिलाओं को रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध हो सकेंगे और राजस्थान पुलिस में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा। साथ ही, महिलाओं से जुड़े मामलों में पुलिस और अधिक संवेदनशीलता के साथ कार्य कर सकेगी।

### उत्कृष्ट खिलाड़ियों की नियुक्ति संबंधी अधिसूचना में दो और सेवाएं शामिल

पटेल ने बताया कि उत्कृष्ट खिलाड़ियो को राज्य के अधीन सेवाओं में नियुक्तियों में 2 प्रतिशत आरक्षण के प्रावधान के संबंध में खिलाड़ियों की परिभाषा को सुस्पष्ट करने के लिए दिनांक 21 नवम्बर, 2019 को अधिसूचना जारी की गई थी। उत्कृष्ट खिलाड़ियों के संबंध में इस स्पष्टीकरण को प्रतिस्थापित किए जाने के समय यह प्रावधान दो सेवा नियमों ''राजस्थान लैंग्वेज एण्ड लाइब्रेरी (स्टेट एण्ड सबॉर्डिनेट) सर्विस रूल्स, 2013'' एवं ''राजस्थान एक्साइज लैबोरेटरी (स्टेट एण्ड सबॉर्डिनेट) सर्विस रूल्स, 2015'' में सम्मिलित किए जाने से रह गए थे। उन्होंने बताया कि उत्कृष्ट खिलाड़ियों संबंधी स्पष्टीकरण को इन सेवा नियमों में शामिल करने के लिए नियमों में संशोधन के प्रारूप का आज मंत्रिमंडल की बैठक में अनुमोदन किया गया।

### अब विशेष योग्य बच्चे भी पीपीओ में जुड़ने के लिए पात्र

डॉ. बैरवा ने बताया कि मंत्रिमण्डल ने राज्य सरकार के कार्मिकों के हित में एक और महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब राज्य सरकार के कार्मिकों की सेवानिवृत्ति पर अन्य पात्र सदस्य के नहीं होने पर स्थायी रूप से विशेष योग्य बच्चों, आश्रित माता-पिता और विशेष योग्य भाई-बहनों का नाम भी पेंशन पेमेंट ऑर्डर (पीपीओ) में जोड़ा जा सकेगा। इसके लिए केन्द्र सरकार के पेंशन नियमों के अनुरूप ही राजस्थान सिविल सेवा पेंशन नियम, 1996 के नियम 67 एवं 87 में संशोधन किए जाने की मंजूरी प्रदान की गई है।

# केन्द्र सरकार की विशेष वित्तीय सहायता योजना के तहत प्रदेश को मिले अधिकतम लाभ : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

चमकता राजस्थान

- **समय-सीमा का ध्यान रखते हुए योजना के तहत निधि का उपयोग हो सुनिश्चित**
- **बुनियादी ढांचा परियोजनाओं से संबंधित बिंदुओं के लिए निर्धारित माइलस्टोन को पूरा करने के दिए निर्देश।**

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि केन्द्र सरकार की विशेष वित्तीय सहायता योजना से होने वाले कार्यों को तय समय-सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए, ताकि प्रदेश में बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए इस योजना का अधिकतम लाभ प्राप्त हो सके।

शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में केन्द्र सरकार की पूंजीगत निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि योजना के तहत प्राप्त होने वाली निधि का उपयोग 31 मार्च, 2025 तक ही किया जा सकता है। ऐसे में समय-सीमा का ध्यान रखते हुए इस राशि का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इस योजना के अंतर्गत पीएचईडी, जल संसाधन विभाग की परियोजनाओं, पुलिस कार्मिकों के लिए आवास और यूनिटी मॉल के निर्माण के लिए पहली किस्त के रूप में प्राप्त राशि का शीघ्र उपयोग सुनिश्चित किया जाए, ताकि दूसरी किस्त जल्द से जल्द जारी हो सके। उन्होंने आइकॉनिक टूरिस्ट सेंटर के चिन्हीकरण, पुराने वाहनों की स्क्रैपिंग, औद्योगिक विकास के लिए अपेक्षित नीतिगत सुधारों सहित अन्य बिंदुओं पर समीक्षा की। साथ ही, राज्य के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भू-सुधार, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं से संबंधित बिंदुओं के लिए निर्धारित माइलस्टोन की पूर्ति करते हुए रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विशेष प्रयासों से राजस्थान के लिए इस वित्तीय वर्ष में केन्द्र सरकार की पूंजीगत निवेश के लिए विशेष सहायता योजना के तहत मिलने वाली संभावित राशि लगभग 10 हजार 600 करोड़ रुपये से अधिक हो गई है।

बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल एवं प्रमुख सचिव आलोक गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव, शासन सचिव एवं वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

## मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की शिक्षक दिवस पर शुभकामनाएं

चमकता राजस्थान

**जयपुर।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शिक्षक, दिवस (5 सितम्बर) के अवसर पर प्रदेश के सभी शिक्षकों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

शर्मा ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थी के जीवन में ज्ञान का प्रकाश फैलाकर उन्हें अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने के लिए प्रेरित करते हैं। शिक्षक वह प्रकाश पुंज है जिससे पूरा देश और समाज आलोकित होता है। उन्होंने कहा कि समाज में अच्छे नागरिक तैयार करने का महत्वपूर्ण कार्य शिक्षक ही करते हैं।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर युवाओं का आह्वान किया कि वे

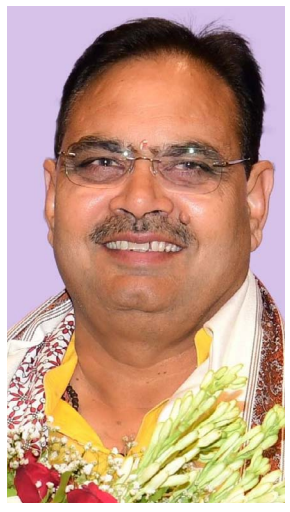

अपने गुरुजनों के प्रति श्रद्धा एवं सम्मान की महान भारतीय परंपरा को और अधिक मजबूत बनाएं।

**'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट – 2024**

# उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री की स्विट्जरलैंड यात्रा: स्विस कंपनियों ने रेल विद्युतीकरण, फार्मा क्षेत्र में सहयोग में रुचि दिखाई

चमकता राजस्थान

जयपुर, 4 सितंबर। 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के तहत उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने हाल ही में स्विट्जरलैंड का दौरा कर स्विस कंपनियों को राजस्थान में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया। 26 से 28 अगस्त के बीच हुई तीन दिवसीय यात्रा में श्री राठौड़ की कई स्विस कंपनियों के साथ उपयोगी चर्चा हुई, जिनमें कुछ इलेक्ट्रोमोबिलिटी और बायोफार्मा कंपनियां भी शामिल थीं। इन बैठकों के दौरान Furrer+Frey और Schwihag जैसी रेल विद्युतीकरण और मैन्यूफैक्चरिंग से जुड़ी कंपनियों ने राजस्थान में रेल लाइन के आसपास वाले इलाकों में कम-से-कम 20 एकड़ जमीन की मांग भी रखी, ताकि वो प्रदेश में निवेश करने पर विचार कर सकें।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने बताया कि कई स्विस कंपनियां राजस्थान को निवेश के दृष्टिकोण से सबसे अच्छे राज्यों में से एक मानती हैं। राजस्थान कम-से-कम लागत पर व्यापार को सुगम बनाना चाहता है और भूमि तथा अन्य बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने के लिए कृतसंकल्प है, ताकि व्यापार करने की सुगमता और बढ़े। राजस्थान में निवेश करने का यह बिलकुल सही समय है। सरकार के पास कोई भी निवेश संबंधित निर्णय या फाइल लंबित नहीं रहेगी और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि उद्योग जगत अपने कारोबार को यथासंभव तेज गति से विस्तारित कर सकें।

### स्विस कंपनियों की मांग, 'राजस्थान में हो प्रोडक्ट स्पेसिफिक डेडिकेटेड इंडस्ट्रियल ज़ोन्स और सिंगल पॉइंट ऑफ कांटेक्ट'

» कर्नल राठौड़ के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल से मीटिंग के दौरान स्विस कंपनियों ने निवेश योजनाओं को सुविधाजनक बनाने हेतु प्रोडक्ट स्पेसिफिक डेडिकेटेड इंडस्ट्रियल ज़ोन्स और सिंगल पॉइंट ऑफ कांटेक्ट (पीओसी) के रूप में विशेष अधिकारियों की नियुक्ति की मांग की। सरकार इन मांगों को पूरा करने की संभावनाओं पर विचार कर रही है।

राठौड़ की यात्रा इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि भारत ने इस साल मार्च में यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (ईएफटीए) के देशों, जिसका स्विट्जरलैंड एक प्रमुख स्तंभ है, के साथ ट्रेड एंड इकनोमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (टीईपीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। अपनी यात्रा के दौरान कर्नल राठौड़ ने रेल विद्युतीकरण और मैन्यूफैक्चरिंग, बायोफार्मा, कृषि प्रसंस्करण, माल परिवहन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सहित कई अन्य कंपनियों के अधिकारियों से मुलाकात की। यात्रा के दौरान उन्होंने मातृ स्वास्थ्य के क्षेत्र में दवाइयां बनाने वाली फार्मा कंपनी फेरिंग फार्मास्युटिकल्स की एक इकाई का भी दौरा किया। इस दौरान उन्होंने भारतीय महिलाओं तक महत्वपूर्ण दवाओं की पहुंच पर भी चर्चा की और कंपनी को राजस्थान में अपनी यूनिट लगाने के लिए आमंत्रित किया।

- **ईएफटीए (EFTA) द्वारा 100 बिलियन डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता के मद्देनजर महत्वपूर्ण है कर्नल राठौड़ की यात्रा**

भारत ने इस वर्ष मार्च में ईएफटीए देशों के साथ ट्रेड एंड इकनोमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (टीईपीए) पर सफलतापूर्वक हस्ताक्षर किया है। टीईपीए पर हस्ताक्षर करने के बाद केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था कि एफटीए के इतिहास में पहली बार अगले 15 वर्षों में 100 बिलियन डॉलर के निवेश और 10 लाख प्रत्यक्ष नौकरियों के सृजन की बाध्यकारी प्रतिबद्धता का उल्लेख इस समझौते में किया गया है। कर्नल राठौड़ की स्विट्जरलैंड यात्रा को इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए, क्योंकि भारत में 100 बिलियन डॉलर के निवेश की ईएफटीए की बाध्यकारी प्रतिबद्धता के मद्देनजर, यह यात्रा न केवल राजस्थान में बल्कि भारत के कई राज्यों में स्विस कंपनियों द्वारा आगामी निवेश के लिए खाका तैयार करने की क्षमता रखती है।

गौरतलब है कि 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2024 9, 10 और 11 दिसंबर को जयपुर में आयोजित होने जा रहा है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार इसकी जोर-शोर से तैयारी कर रही है। इसके मद्देनजर, पिछले महीने आयोजित मुंबई इन्वेस्टर्स मीट में कई कंपनियों राजस्थान सरकार के साथ 4.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश संबंधित एमओयू पर हस्ताक्षर किया था।

# ज्ञान के दीपक होते हैं शिक्षक

कहा जाता है कि गुरु के बिना ज्ञान अधूरा रहता है। यह बात बिल्कुल सत्य है। हमारे जीवन में सबसे पहली गुरु तो मां होती है जो हमें जन्म लेते ही हर बातों का ज्ञान कराती है। मगर विद्यार्थी काल में बालक के जीवन में शिक्षक एक ऐसा गुरु होता है जो उसे शिक्षित तो करता ही है साथ ही उसे अच्छे बुरे का ज्ञान भी कराता है। पहले के समय में तो छात्र गुरुकुल में शिक्षक के पास रहकर वर्षों विद्या अध्ययन करते थे। उस दौरान गुरु अपने शिष्यों को विद्या अध्ययन करवाने के साथ ही स्वावलंबी बनने का पाठ भी पढ़ाते थे। इसीलिए कहा गया है कि गुरु गोविंद दोऊ खड़े काके लागू पाय, बलिहारी गुरु आपने गोविंद दियो बताए। गुरु का स्थान ईश्वर से भी बड़ा माना गया है, क्योंकि गुरु के माध्यम से ही व्यक्ति ईश्वर को भी प्राप्त करता है। हमारे जीवन को संवारने में शिक्षक एक बड़ी और महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। सफलता प्राप्ति के लिये वो हमें कई प्रकार से मदद करते है। जैसे हमारे ज्ञान, कौशल के स्तर, विश्वास आदि को बढ़ाते है तथा हमारे जीवन को सही आकार में ढ़ालते है। कबीर दास ने शिक्षक के कार्य को इन पंक्तियो में समझाया है:-

**''गुरु कुम्हार शिष कुंभ है, गढ़ि गढ़ि काढ़ै खोट, अंतर हाथ सहार दै, बाहर बाहै चोट''**

कबीर दास जी कहते है कि शिक्षक एक कुम्हार की तरह है और छात्र पानी के घड़े की तरह। जो उनके द्वारा बनाया जाता है और इसके निर्माण के दौरान वह बाहर से घड़े पर चोट करता है। इसके साथ ही सहारा देने के लिए अपना एक हाथ अंदर भी रखता है।

शिक्षक हमें जीवन में सफलता के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल देते हैं। शिक्षक हमारे व्यक्तित्व को तैयार करते हैं। चरित्र को ढालने और मूल्यों को स्थापित करने में मदद करते हैं। हमें एक अच्छा नागरिक भी मनाने में मदद करते हैं। शिक्षक ही है जो छात्रों को जीवन का नया अर्थ सिखाता है। वे हमें सही रास्ता दिखाते हैं और कुछ भी गलत करने से रोकते हैं। वे बाहर से देख सकते हैं। वे प्रत्येक छात्र की देखभाल करते हैं और उनके विकास की कामना करते हैं। उस छात्र को मत भूलो जो छात्र अपने शिक्षकों का सम्मान नहीं करता है। वह जीवन में कभी आगे नहीं बढ़ता है। शिक्षक छात्र के व्यक्तित्व को ढालते हैं। वे एकमात्र नि:स्वार्थ व्यक्ति हैं जो खुशी-खुशी बच्चों को अपना सारा ज्ञान देते हैं। शिक्षक विद्यार्थियो के जीवन के वास्तविक निर्माता होते हैं जो न सिर्फ हमारे जीवन को आकार देते हैं। बल्कि हमें इस काबिल बनाते हैं कि हम पूरी दुनिया में अंधकार होने के बाद भी प्रकाश की तरह जलते रहें। शिक्षक समाज में प्रकाश स्तम्भ की तरह होता है। जो अपने शिष्यों को सही राह दिखाकर अंधेरे से प्रकाश की और ले जाता है। शिक्षकों के ज्ञान से फैलने वाली रोशनी दूर से ही नजर आने लगती है। इस वजह से हमारा राष्ट्र ढ़ेर सारे प्रकाश स्तम्भों से रोशन हो रहा है। इसलिये देश में शिक्षकों को सम्मान दिया जाता है। शिक्षक और विद्यार्थी के बीच के रिश्तों को सुदृढ़ करने को शिक्षक दिवस एक बड़ा अवसर होता है। पुराने समय में शिक्षकों को चरण स्पर्श कर सम्मान दिया जाता था। परन्तु आज के समय में शिक्षक और छात्र दोनो ही बदल गये है। पहले शिक्षण एक पेशा ना होकर एक उत्साह और एक शौक का कार्य था। पर अब यह मात्र एक आजीविका चलाने का साधन बनकर रह गया है। शिक्षक एक व्यक्ति के जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। शिक्षक एक मार्गदर्शक, गुरु, मित्र होने के साथ ही और कई भूमिकाएं निभाते है। यह विद्यार्थी के उपर निर्भर करता है कि वह अपने शिक्षक को कैसे परिभाषित करता है। संत तुलसी दास के ने इसे नीचे के पंक्तियों में बहुत ही अच्छे तरीके से समझाया है।

**''जाकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत देखी तिन तैसी''**

संत तुलसी दास ने बताया है कि भगवान, गुरु एक व्यक्ति को वैसे ही नजर आयेंगे जैसा कि वह सोचेगा। उदहारण के लिए अर्जुन भगवान श्रीकृष्ण को अपना मित्र मानते थे। वही मीरा बाई भगवान श्रीकृष्ण को अपना प्रेमी। ठीक इसी प्रकार से यह शिक्षक के उपर भी लागू होता है। इसीलिए कहते हैं कि शिक्षक समाज का पथ प्रदर्शक होता है।

शिक्षक दिवस को स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय और शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षक और विद्यार्थियों के द्वारा बहुत ही खुशी और उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन विद्यार्थियों से शिक्षकों को ढ़ेर सारी बधाईयां मिलती है। भारत में शिक्षक दिवस शिक्षको के सम्मान में मनाया जाता है। शिक्षक पूरे वर्ष मेहनत करते है और चाहते है कि उनके छात्र विद्यालय और अन्य गतिविधियों में अच्छा प्रदर्शन करें। शिक्षक दिवस पर पूरे देश के विद्यालयों में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। दुनिया के एक सौ से अधिक देशों में अलग-अलग समय पर शिक्षक दिवस मनाया जाता है। भारत में भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस पांच सितम्बर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस को 1962 से शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने अपने छात्रों से अपने जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने की इच्छा जताई थी। देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ राधाकृष्णन का जन्म पांच सितम्बर 1888 को तमिलनाडु के तिरुमनी गांव में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। वे बचपन से ही किताबें पढ़ने के शौकीन थे और स्वामी विवेकानंद से काफी प्रभावित थे। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक महान शिक्षक थे। जिन्होंने अपने जीवन के 40 वर्ष अध्यापन पेशे को दिया है। वो विद्यार्थियों के जीवन में शिक्षकों के योगदान और भूमिका के लिये प्रसिद्ध थे। इसलिये वो पहले व्यक्ति थे जिन्होंने शिक्षकों के बारे में सोचा और हर वर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रुप में मनाने का अनुरोध किया। उनका निधन 17 अप्रैल 1975 को चेन्नई में हुआ था। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने 1909 में चेन्नई के प्रेसिडेंसी कॉलेज में अध्यापन पेशे में प्रवेश करने के साथ ही दर्शनशास्त्र शिक्षक के रुप में अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने बनारस, चेन्नई, कोलकाता, मैसूर जैसे कई प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों तथा विदेशों में लंदन के ऑक्सफोर्ड जैसे विश्वविद्यालयों में दर्शनशास्त्र पढ़ाया था। अध्यापन पेशे के प्रति अपने समर्पण की वजह से उन्हें 1949 में विश्वविद्यालय छात्रवृत्ति कमीशन का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। हर देश में इस दिवस को मनाने की तारीख अलग-अलग है। चीन में 10 सितम्बर तो अमेरिका में छह मई, ऑस्ट्रेलिया में अक्तूबर का अंतिम शुक्रवार, ब्राजील में 15 अक्तूबर और पाकिस्तान में पांच अक्तूबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। इसके अलावा ओमान, सीरिया, मिस्र, लीबिया, संयुक्त अरब अमीरात, यमन, सऊदी अरब, अल्जीरिया, मोरक्को और कई इस्लामी देशों में 28 फरवरी को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है।

# समाज के शिल्पकार होते हैं शिक्षक



डां. गंगेश गुंजन

शिक्षक समाज का प्रेरणा स्रोत है।भारत ही नहीं पूरे विश्व में शिक्षक सम्मान की दृष्टि से देखे जाते हैं। विश्व के अधिकतर देशों में किसी न किसी तिथि को शिक्षक दिवस के रूप में अंगीकार किया गया है। भारतवर्ष की धरा इससे अछूती नहीं है। गुरुःब्रह्मा गुरुः विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः का भाव यहाँ पहले से ही विद्यमान है। इसी कड़ी में भारतीय संस्कृति के संवाहक डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के सम्मान में पांच सितंबर शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। शिक्षक और शिष्य का संबंध अनूठा होता है और भारत इस मामले में विशिष्ट है। यहां गुरु से रिश्ता सीखने भर का नहीं है बल्कि यह संबंध गुरु के प्रति श्रद्धा, समर्पण एवं आध्यात्मिक उन्नयन का है। यही विशिष्ट भाव अन्य देशों से इसे पृथक कर देता है। भारत की गुरुकुल परंपरा दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र थी। इसी परंपरा में गुरु को साक्षात परब्रह्म माना गया है- गुरुःसाक्षात परब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः। गुरु के प्रति अद्भुत भक्ति भारतीय शिक्षा के मूल में है।भक्ति में कितनी शक्ति होती है,सब लोग जानते हैं। गुरुकुल व्यवस्था टूटे, यह कमजोर हो, इसके लिए आक्रांताओं ने अपनी पूरी शक्ति लगा दी लेकिन इस व्यवस्था को पूरी तरह से तोड़ नहीं पाए। लेकिन मैकाले की शिक्षा नीति ने इस गुरुकुल व्यवस्था को सबसे ज्यादा कमजोर किया परंतु इसके बीज को नष्ट नहीं कर सका। गुरुकुल व्यवस्था आज नहीं है लेकिन गुरु के प्रति समर्पण, श्रद्धा और भक्ति में कोई कमी नहीं आयी है। यही शिक्षा का मूल है और इसे चाह कर भी मैकाले की शिक्षा नीति इस भाव को समाप्त नहीं कर सकी। शिक्षक होने का मतलब है जो अपने शिष्य को फर्श से अर्श की ओर ले जाए- तमसो मा जयोतिर्गमय। यही कारण है कि आपस्तम्ब सूत्र में कहा गया है कि देवता के समान आचार्य की उपासना करनी चाहिए- देवमिवाचार्यमुपासीत। शिक्षक होने का मतलब किसी स्कूल, कॉलेज या किसी शिक्षण संस्थान में पढ़ाना भर नहीं है बल्कि सतत साधना से युक्त होना है। नैतिक बल तो अनिवार्य गुण है। खोजी दृष्टि तो होनी ही चाहिए। बच्चों पर माता-पिता के बाद सबसे ज्यादा प्रभाव शिक्षक का ही पड़ता है। इसलिए शिक्षक की भूमिका राष्ट्र निर्माण में महत्त्वपूर्ण है।




प्राचीन साहित्यिक शास्त्रों में गुरु की महिमा में क्या नहीं कहा गया है। इस श्लोक को देखिए-शिवे रुष्टे गुरुस्त्राता, गुरौ रुष्टे न कश्चन। अर्थात गुरु के रुष्ट होने पर कोई रक्षा नहीं कर सकता, स्वयं शिव भी नहीं। यही कारण है कि चाणक्य कहते हैं कि शिक्षक कभी साधारण नहीं होता। प्रलय और निर्माण उसकी गोद में पलते हैं। जो सृष्टि और संहार की शक्ति रखता हो, वास्तव में वह साधारण हो ही नहीं सकता। चाणक्य तो सिद्ध गुरु हैं। उनके पास तपस्या का बल है। उनकी बात व्यर्थ नहीं है। गुरु आध्यात्मिक प्रकाश है। वह अपने प्रकाश से सबको आलोकित करता है। उसके ऊपर बड़ी जिम्मेवारी है। गुरु का उत्तरदायित्व है कि वह अपने छात्रों में रचनात्मक ज्ञान, नैतिक मूल्य और संस्कार भरे। उसके चरित्र का विकास करे। राष्ट्र तभी समृद्ध होता है जब लोग चारित्रिक मूल्य से भरे होते हैं, कर्तव्य भाव से जाग्रत होते हैं। यह भाव भरने का काम शिक्षक का है। अगर शिक्षक इसमें असफल रहता है तो राष्ट्रसेवा करने में वह असफल है। उसे विश्ववंद्य बाबा गोस्वामी तुलसीदास की यह उक्ति याद रखनी चाहिए-हरइ शिष्य धन शोक न हरइ, सो गुरु घोर नरक मह परइ। अर्थात जो शिष्य को शोक संतप्त छोड़ देता है, अर्थ पर ही ज्यादा चिंतन करता है, जीवन मूल्यों से दूर रखता है, वैसे गुरु को इस लोक में क्या, परलोक में भी जगह नहीं मिलती। गुरु का दायित्व सरल नहीं है। गुरु के व्यक्तित्व का प्रभाव समाज पर पड़ता है। समाज सदाचार से युक्त होगा तभी सु संस्कृत राष्ट्र की कल्पना संभव है। अपने तप,त्याग एवं चारित्रिक उन्नयन के बल पर भारत विश्व गुरु रहा है। स्वामी विवेकानंद, रवीन्द्रनाथ टैगोर, महर्षि अरविन्द, महात्मा गांधी आदि कई ऐसे लोग हैं जिन्होंने न केवल अपने सदाचरण से दूसरों को प्रेरित किया बल्कि विश्व बंधुत्व का पाठ भी पढ़ाया। गुरु का उपदेश मनुष्य की सारी गंदगी को दूर करने में सक्षम है- गुरूपदेशश्च नाम पुरुषाणाम् अखिलमलप्रक्षालनक्षमम अजलं स्नानम्। गुरु पूर्णिमा एवं शिक्षक दिवस ये दोनों शिक्षकों के अभिनंदन के लिए ही समर्पित है। शिष्य को चाहिए कि वह गुरु के प्रकाश से अपने भीतर के तमस को दूर करे और स्वयं को आलोकित करे। गुरु पूर्णिमा आषाढ़ पूर्णिमा के दिन मनायी जाती है। वहीं शिक्षक दिवस भारत रत्न डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस के अवसर पर मनाया जाता है। डॉ. राधाकृष्णन की इच्छा थी उनका जन्मदिन शिक्षक दिवस के रूप में मने। 1962 में जब वे दूसरे राष्ट्रपति बने, तब उनके अनुयायियों ने भव्य तरीके से जन्मदिन मनाने का निर्णय लिया। उन्हें जब पता चला कि उनके छात्र जन्मदिन को पूरे राजकीय वैभव के साथ बनाना चाहते हैं तब छात्रों को ऐसा करने से रोकते हुए कहा कि जिसका जीवन छात्रों के लिए समर्पित रहा हो, शिक्षण कार्य में जिसकी गहरी अभिरुचि रही हो, उसका जन्मदिन सादगी से मननी चाहिए न कि अनावश्यक तामझाम के साथ। मैं मन, कर्म, वचन से शिक्षक हूं और आजीवन शिक्षक ही रहूँगा। मेरा जन्मदिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाए, यही मेरी इच्छा है। और यह मेरे लिए गर्व की बात होगी। फिर क्या था, 5 सितंबर 1962 से इनका जन्म दिवस शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। डॉ राधाकृष्णन महान दार्शनिक थे। वे शिक्षा एवं शिक्षक के महत्व को समझते थे। वे जानते थे कि धन की चमक स्थायी नहीं है। इसकी चमक फीकी है। विद्या से सब कुछ पाया जा सकता है- विद्यया लभ्यते सर्व,विद्या सर्वत्र पूज्यते। शिक्षक की योग्यता का निर्धारण उसके छात्रों से होती है। वही शिक्षक यशस्वी एवं योग्य है जो अपने ज्ञान को अपने शिष्य के भीतर सन्निविष्ट करने की शक्ति रखता है। इसका सुंदर उदाहरण मालविकाग्निमित्र है। महाकवि कालिदास प्रणीत इस नाटक में गुरु की योग्यता का निर्णय शिष्य की परीक्षा से होती है। नाट्याचार्य गणदास और हरदत्त के बीच योग्यता विषयक विवाद सुलझाने का भार संन्यासिनी कौशिकी को मिलता है। कौशिकी के आदेशानुसार दोनों आचार्य अपनी शिष्याओं से नृत्य और अभिनय कराने की बात मान लेते हैं।और द्वितीय अंक में मालविका का नृत्य होता है जिससे गणदास को विजयी घोषित किया जाता है। कहने का भाव यह कि छात्र के बेहतर प्रदर्शन से ही शिक्षक की योग्यता का ज्ञान होता है।

ईसा पूर्व की शिक्षा व्यवस्था को देखें और आज की शिक्षा व्यवस्था को देखें तो दोनों में समानता है। दोनों छात्र केंद्रित है। आज जब परीक्षा परिणाम आता है और उसमें अनुकूलतानहीं रहती तो संबंधित विभाग मान लेता है कि शिक्षकों ने अपना कार्य ठीक से नहीं किया है। छात्र की अनुत्तीर्णता शिक्षक की असफलता के रूप में देखी जाती है। शिक्षा के घोर बाजारीकरण के दौर में आज सब कुछ उलट गया है। शिक्षक शिष्य का संबंध समर्पण, भक्ति का न होकर अर्थाधृत हो गया है लेकिन बीज मरता नहीं है। गुरु-शिष्य संबंध को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। इस बाजारीकरण की विकृति के बावजूद यह संबंध बिखरा नहीं है और बिखरेगा भी नहीं।भारतीय संस्कृति में गुरु को सबसे ऊपर रखा गया है- गुरुरेव परः शिवः। यह भाव आज भी विद्यमान है। यह भारत की भूमि है। गुरु वंदन का यह दिन विशिष्ट है।इस विशिष्ट दिवस की मर्यादा समझते हुए छात्रों को भक्ति भाव से गुरु का आशीष लेना चाहिएऔर इस आशीष से संयुक्त होकर भारत को ऊंचाई पर ले जाने का सम्यक संकल्प लेना चाहिए तभी शिक्षक दिवस की सार्थकता सिद्ध होगी।

# भारत में पुनः गुरु-शिष्य परम्परा अनिवार्य



ई. प्रभात किशोर

**गुरु गोविंद दोउ खड़े, काके लागू पाय;**
**बलिहारी गुरु आपनो, गोविंद दियो बताय।**
**यह तन विष की बेल री, गुरु अमृत की खान;**
**शीश दियो जो गुरु मिले तो भी सस्ता जान।**
**सब धरती कागज़ करू, लेखनी सब वनराय;**
**सात समुद्र मासी करू, गुरु गुण लिखा ना जाय।**

सद्गुरु कबीर का यह दोहा उस गुरु की महानता का सजीव चित्रण करता है, जो मानव जीवन और समाज के लिए एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में गुरूओं का कोई सानी नहीं है । विद्यार्थियों में स्नेह, सद्भाव, भातृत्व-भाव, नैतिकता, उदारता, अनुशासन जैसे चारित्रिक गुणों का समावेश गुरू के माध्यम से हीं संभव होता है । समाज और जीवन में स्नेह व सद्भाव के सामंजस्य की सद्प्रेरणा गुरू से हीं मिलती है । चूंकि शिक्षा का मूल उद्देश्य हीं चरित्र निर्माण है, अतएव गुरू को ऐसा दीपक माना गया है जो सेवापर्यन्त हीं दीप्तमान रहते हुए विद्यार्थियों के प्रगति पथ को अपने ज्ञान से आलोकित करता रहता है । जो रोटी की भूख के बीच शिक्षा की ज्योति जला दे, वही सही मायने में प्रेरणा का स्रोत है ।

वैदिक मंत्र '' गुरूर्ब्रह्मा, गुरूर्विष्णु, गुरूर्देव महेश्वरः , गुरूर्साक्षात परब्रह्म तस्मै श्री गुरूवे नमः '' परिभाषित करता हैं कि गुरु स्वयं त्रिदेव यानी ब्रह्म-विष्णु-महेश हैं और वास्तव में सर्वोच्च शक्ति या पूर्ण सत्य के परिचायक हैं। यह गुरु की चुनौती रहित स्थिति को दर्शाता है, जो हमारे जीवन में सीखने और ज्ञान के मार्ग में आने वाली समस्त समस्याओं के निराकरण में हमारा सहायक होता है। गुरू राष्ट्र की संस्कृति के चतुर माली होते हैं । वे संस्कारों की जड़ों में खाद देते हैं और अपने श्रम से उन्हें सींचकर शक्ति में निर्मित करते हैं । वे अभावों में रहने के बावजूद अपने कर्म के प्रति समर्पित रहते हैं । महाकवि तुलसीदास के शब्दों में - गुरू बिन ज्ञान कहां जग माहीं ......... ।

गुरु दो संस्कृत शब्दों से बना है - ''गु'' , जिसका अर्थ है अंधेरा और ''रु'' , जिसका अर्थ है प्रकाश। इस प्रकार गुरु का अर्थ है अंधकार से प्रकाश की ओर लाने वाला। गुरु शब्द स्वयं ''अस्तो माँ सद्गमय, तमसो माँ ज्योतिर्गमय, मृत्युोर माँ अमृतगामय'' (अर्थात हमें अज्ञान से सत्य की ओर, अंधकार से प्रकाश की ओर और मृत्यु से मृत्यु की ओर ले चलो) संदेश का संवाहक है । गुरु वह है, जिसके पास किसी विषय पर आसन्न ज्ञान, विद्या एवं आज्ञा होती है और वह अपने शिष्यों का मार्गदर्शन करने के लिए इसका सदुपयोग करता है। गुरु समाज का निर्माण खंड है, जो एक व्यक्ति को बेहतर मानव बनने में प्रेरक का कार्य करता है। ''गुरु'' शब्द अनुवाद योग्य नहीं है और ''शिक्षक'' , ''मास्टर'' , ''ट्यूटर'' या अन्य समकक्ष शब्द केवल इसे आंशिक अर्थ प्रदान करते हैं। माता-पिता के साथ-साथ वे सभी व्यक्ति, जो शिष्यों के जीवन निर्माण के लिए जिम्मेदार हैं, उनके ''गुरु'' हैं।

भारतीय संस्कृति और सभ्यता में गुरु की अवधारणा प्राचीनतम वैदिक ग्रंथों में पायी जाती है। प्राचीन भारतवर्ष में गुरु और गुरुकुल स्थापित परंपरा थी। राजा के राजदरबार और समाज में गुरु को सर्वोच्च स्थान प्राप्त था। पुरातात्विक और अभिलेखीय साक्ष्य कई गुरुकुलों के अस्तित्व को प्रमाणित करते हैं, जहाँ शिष्य न केवल किताबी ज्ञान से लैस थे, बल्कि उनका सर्वांगीण विकास किया जाता था। मानव जीवन में दर्शन, व्याकरण, कृषि, पशुपालन, शस्त्र प्रशिक्षण, संगीत, चित्रकला और अन्य आवश्यक जीवन कौशल अध्ययन के अभिन्न हिस्से थे।

गुरु-शिष्य परम्परा बौद्ध धर्म, जैन धर्म और सिख धर्म जैसे अन्य संप्रदायों, जो सनातन धर्म से उत्पन्न हुए थे, का भी हिस्सा थे। सिख संस्कृत शब्द शिष्य का रूपांतरित रूप है और सिख धर्म पूरी तरह से गुरु परंपरा पर हीं आधारित है। इस प्रकार गुरु परंपरा आधारित शिक्षा समृद्ध भारतीय समाज की रीढ़ थी और भारत ज्ञान और संस्कृति का केंद्र था। नालंदा विश्वविद्यालय, विक्रमशिला विश्वविद्यालय, उदंतपुरी विश्वविद्यालय, तक्षशिला विश्वविद्यालय, काशी विद्यापीठ आदि कुछ ऐसे जीवंत प्रमाण हैं, जहां विश्व भर के शिक्षार्थियों ने अपने मन एवं मस्तिष्क को आलोकित किया।

निस्संदेह, गुरु वह है जो अपनी कक्षा के अंदर राष्ट्र को आकार देता है। गुरु-शिष्य परम्परा की समाप्ति और अंग्रेजी मैकाले शिक्षा प्रणाली को अपनाने के उपरांत, भारतवर्ष में शिक्षा का लक्ष्य और अर्थ पूरी तरह से बदल गया है। शिक्षक का कर्तव्य केवल कक्षा में छात्रों को कुछ विषयों को पढ़ाने भर तक सीमित हो गया है और अब उनका शिष्यों के सर्वांगीण विकास से कोई लेना-देना नहीं रह गया है। परिणामस्वरूप धीरे-धीरे शिक्षकों ने समाज में अपना सम्मान खो दिया। स्कूलों के सरकारीकरण के बाद, शिक्षक अब गुरु नहीं रहा, बल्कि वेतनभोगी कर्मचारी बन गया। सरकार के द्वारा उन्हें शिक्षण के अलावा विभिन्न गैर-शैक्षणिक कार्यों में यथा- चुनाव , मानव जनगणना, पशु जनगणना, पल्स पोलियो कार्य, राशन कार्ड सत्यापन आदि में उपयोग किया जा रहा है। शिक्षकों के बीच राजनीति और संघवाद के प्रवेश ने भी शिक्षा प्रणाली को बुरी तरह प्रभावित किया है। शिक्षक संगठन के कई गुट केवल नेतृत्व स्थापित करने के लिए विकसित हुए हैं, जो समय-समय पर अपनी मांगों के लिए हड़ताल का आयोजन करते हैं। इससे सबसे ज्यादा हानि उन नौनिहालों का हो रहा हैं, जिनके लिए विद्यालय स्थापित किए गए हैं एवं शिक्षकों की नियुक्ति की गई है।

शिक्षा की दोहरी प्रणाली यानी सरकारी और निजी, ने शिक्षा परिदृश्य को दो अलग-अलग पहचानों में विभाजित किया है। नीति निर्धारक स्वयं सरकारी विद्यालयों को स्वीकार नहीं करते और अपने बच्चों को निजी विद्यालयों में पढ़वाते हैं। यहां तक कि सरकारी विद्यालय में कार्यरत शिक्षकों को भी अपने विद्यालय पर भरोसा नहीं है और वे अपने बच्चों को निजी विद्यालयों में पढ़ाना पसंद करते हैं। आम तौर पर, सरकारी विद्यालय अब गरीब और दलित वर्गों की शरणस्थली बन गयी हैं, जिनके पास कोई बेहतर विकल्प नहीं होता है। स्वतंत्रता प्राप्ति के 75 साल बाद भी शिक्षा प्रणाली को रोजगारोन्मुख नहीं बनाया जा सका है और बड़ी-बड़ी डिग्री प्राप्त करने के बाद भी लोग खुद को खाली हाथ पाते हैं। शिक्षकों की मानसिकता पूरी तरह बदल चुकी है। ''गुरु'' से ''शिक्षक'' के पद पर आसीन होने के कारण राष्ट्र निर्माण की नींव दांव पर है।

यह दुखद है कि वर्तमान शिक्षकों का एक बड़ा वर्ग शिक्षण के माध्यम से शिक्षार्थी के भविष्य निर्माण के उच्च-मूल्यवान कार्य के प्रति उदासीन है। शिक्षा एक लाभदायक व्यवसाय बन गया है, और शिक्षक इसके विपणन प्रबंधक बन गए हैं। यद्यपि विज्ञान और शिक्षा के समृद्ध विकास ने हमें चंद्रमा और मंगल पर पहुंचने में सक्षम बनाया है, लेकिन दुर्भाग्य से हमारे मानवीय मूल्य खो गए हैं। भारत में प्रचलित शिक्षा प्रणाली पर पुनर्विचार करना समय की मांग है। हमें अपनी रणनीति को वर्तमान शिक्षा प्रणाली से, जो केवल किताबी ज्ञान रखने वाले स्नातक पैदा कर रही है, गुरुकुल प्रणाली में स्थानांतरित करनी चाहिए, जहां शिक्षा का मुख्य उद्देश्य सर्वांगीण विकास था। गुरु परम्परा को अपनाने से हीं भारतवर्ष एक बार फिर विश्व गुरु बन सकेगा।

**(लेखक अभियंता एवं शिक्षाविद हैं)**

# भारतीयता के अनुरूप शिक्षा से ही नया भारत संभव



ललित गर्ग

शिक्षक उस माली के समान है, जो एक बगीचे को अलग अलग रूप-रंग के फूलों से सजाता है। जो छात्रों को संकटों में भी मुस्कुराकर चलने के लिए प्रेरित करता है। आज शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र-निर्माण एवं शिक्षा को हर घर तक पहुंचाने के लिए तमाम सरकारी प्रयास किए जा रहे हैं। इसकी सफलता के सशक्त माध्यम शिक्षक ही है। भारत के राष्ट्रपति, महान दार्शनिक, चिन्तक, शिक्षाशास्त्री डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस को 5 सितम्बर को पूरे देश में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 घोषित की गयी, इसको लेकर देश में शिक्षा एवं शिक्षक पर व्यापक चर्चा आरंभ हो गई है। भारत की नई शिक्षा नीति में शिक्षा व्यवस्था के अलावा शिक्षकों की योग्यता एवं गुरुता पर विशेष ध्यान दिया गया है। पूरे देश में 'एक जैसे शिक्षक और एक जैसी शिक्षा' पॉलिसी पर काम किया जा रहा है। इसके लिये अपेक्षित है कि केवल शिक्षा क्रांति ही नहीं, बल्कि शिक्षक क्रांति का शंखनाद हो। किसी भी राष्ट्र एवं समाज की बहुत बड़ी शक्ति होती है- शिक्षक वर्ग। इस वर्ग के कंधों पर राष्ट्र के भविष्य-निर्माण यानी नये भारत-सशक्त भारत-विकसित भारत का गुरुतर दायित्व है। यदि इस दायित्व में थोड़ी-सी भी भूल रह जाती है तो समाज के निर्माण की नींव खोखली रह सकती है।

वैदिक काल से ही भारत शैक्षणिक स्तर पर समृद्ध रहा है। इसी शिक्षा के आधार पर भारत विश्वगुरु कहलाता रहा है। गुरुकुल आधारित शिक्षा प्रणाली भारतीय परंपरा का प्रमुख अंग है। नालंदा और तक्षशिला की स्थापना तथा इसके प्रभाव से भारतीय शिक्षा व्यवस्था की समृद्ध परंपरा को जाना जा सकता है। लेकिन आजादी के बाद से हमारी वर्तमान शिक्षा प्रणाली ब्रिटिश ढांचे पर अग्रसर हुई है, जिसके कारण शिक्षा मिशन न होकर, व्यवसाय बन गयी है। तमाम शिक्षक एवं शिक्षालय अपने ज्ञान की बोली लगाने लगे हैं। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में देखें तो गुरु-शिष्य की परंपरा कहीं न कहीं कलंकित हो रही है। आए दिन शिक्षकों द्वारा छात्रों एवं छात्रों द्वारा शिक्षकों के साथ दुव्यर्वहार, मारपीट एवं अनुशासनहीनता की खबरें सुनने को मिलती हैं। इसे देखकर हमारी संस्कृति की इस अमूल्य गुरु-शिष्य परंपरा पर प्रश्नचिह्न लगने लगे है।

शिक्षक दिवस एक अवसर है जब हम धुंधली होती शिक्षक की आदर्श परम्परा एवं शिक्षा को परिष्कृत करने और जिम्मेदार व्यक्तियों का निर्माण करने की दिशा में नयी शिक्षा नीति के अन्तर्गत ठोस कार्य करें। वैश्वीकरण के इस दौर में हमारा समाज एक अज्ञात भविष्य की ओर अग्रसर दिखाई देता है। बढ़ती जनसंख्या और सीमित संसाधनों के साथ हमारे देश को नई समस्याओं का सामना करना है। भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें ऐसे ज्ञान, कौशल और दक्षता की आवश्यकता होगी जो हमारी समस्या समाधान में योगदान कर सके। हजारों की संख्या में उच्च शैक्षणिक, शोध संस्थानों तथा मानव संसाधन की प्रचुरता के बावजूद भारत में अभी ?ज्ञान संस्कृति' का विकास और विस्तार तीव्र गति से नहीं हो पाया है। हमारी बौद्धिक संपदा का व्यावहारिक उपयोग भी नाकाफी है। आज प्रतिभा पलायन भारत की एक बड़ी समस्या है। 2011 की जनगणना के अनुसार 26 प्रतिशत से अधिक भारतीय अभी भी निरक्षर हैं जो कि बेहद डरावना आंकड़ा हैं क्योंकि एक राष्ट्र के रूप में हमारी महत्त्वकांक्षाएं इससे ज्यादा की मांग करती है।

नई शिक्षा नीति में पारंपरिक से आधुनिक शैक्षणिक प्रतिमानों में गहरा बदलाव करके पूर्ण मानवीय क्षमता को प्राप्त करने, एक समतापूर्ण समाज विकसित करने और राष्ट्रीय विकास को बढ़ावा देने के व्यापक प्रयत्न हो रहे हैं। अब अनुभवात्मक शिक्षा और समग्र छात्र विकास की दिशा में एक आदर्श बदलाव की शुरुआत हो रही है। इस समकालीन शैक्षिक परिदृश्य में, क्या सीखना है से लेकर कैसे सीखना है, इस पर जोर दिया जाता है। आलोचनात्मक सोच, निर्णय लेने और समस्या-समाधान के कौशल को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, यह उद्यमशीलता, नवाचार और अनुकूलनशीलता जैसे गुणों को विकसित करने के महत्व को रेखांकित करती है। भारत अब विज्ञान और प्रौद्योगिकी के युग का गवाह बन रहा है। भारत में शिक्षा ने अब खुद को पुनर्गठित किया है ताकि इस बात पर जोर दिया जा सके कि हमारे दैनिक जीवन में प्रौद्योगिकी कितनी आवश्यक है। इसी शिक्षा के कारण भारत का भाल आज भी गर्व और गौरव से उन्नत है। भारत की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए एफ. डब्ल्यू. टॉमस ने लिखा है- ''भारत में शिक्षा विदेशी पौधा नहीं है। संसार का कोई भी ऐसा देश नहीं है, जहां ज्ञान के प्रति प्रेम का इतने प्राचीन समय में आविर्भाव हुआ हो या जिसने इतना चिरस्थायी और शक्तिशाली प्रभाव डाला हो।''

महात्मा गांधी के अनुसार सर्वांगीण विकास का तात्पर्य है- आत्मा, मस्तिष्क, वाणी और कर्म-इन सबके विकास में संतुलन बना रहे। स्वामी विवेकानंद के अनुसार सर्वांगीण विकास का अर्थ है- हृदय से विशाल, मन से उच्च और कर्म से महान। सर्वांगीण व्यक्तित्व के विकास हेतु शिक्षक आचार, संस्कार, व्यवहार और विचार- इन सबका परिमार्जन करने का प्रयत्न करते रहते थे। इन्हीं सब चर्चाओं के मध्य हम देखेंगे कि 1986 की शिक्षा नीति में ऐसी क्या कमियाँ रह गई थीं जिन्हें दूर करने के लिये नई राष्ट्रीय शिक्षा नति को लाने की आवश्यकता पड़ी। साथ ही क्या यह नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति उन उद्देश्यों को पूरा करने में सक्षम होगी जिसका स्वप्न महात्मा गांधी और स्वामी विवेकानंद ने देखा था? यह स्वप्न है जिसके माध्यम से मनुष्य की आंतरिक शक्तियों का विकास, व्यवहार को परिष्कृत करना तथा ज्ञान एवं कौशल में वृद्धि कर मनुष्य को योग्य नागरिक बनाना।

शिक्षकों पर इस दुनिया में सबसे प्रेरक काम और एक बड़ी जिम्मेदारी है। शिक्षक ज्ञान का भंडार हैं जो अपने शिष्यों को अपना ज्ञान देने में विश्वास करते हैं जिससे उनके शिष्य भविष्य में दुनिया को बेहतर बनाने में सहायता कर सकेंगे। इससे ऐसी पीढ़ी निर्मित होगी जो उज्ज्वल और बुद्धिमान हो तथा वह जो दुनिया को उसी तरीके से समझे जैसी यह है और जो भावनाओं से नहीं बल्कि तर्क और तथ्यों से प्रेरित हो। हर शिक्षक अपने विद्यार्थी के व्यक्तित्व को तराशकर उसे महनीय और सुघड़ रूप प्रदान करते हैं। हर पल उनकी शिक्षाएं प्रेरणा के रूप में, शक्ति के रूप में, संस्कार के रूप में जीवंत रहती हैं। महान् दार्शनिक आचार्य महाप्रज्ञ के शब्दों में - 'व्यक्तित्व-निर्माण का कार्य अत्यन्त कठिन है। निःस्वार्थी और जागरूक शिक्षक ही किसी दूसरे व्यक्तित्व का निर्माण कर सकता है।' हमने सुपर-30 फिल्म में एक शिक्षक के जुनून को देखा। इस फिल्म में प्रो. आनन्द के शिक्षा-आन्दोलन को प्रभावी ढंग से प्रस्तुति दी गयी है। आजादी के अमृतकाल यानी पिछले 75 वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में हमने ऐतिहासिक उपलब्धियां प्राप्त की हैं तो कई ऐसे प्रश्न हैं जो हमारी शिक्षा व्यवस्था के समक्ष गंभीर चुनौती हैं। वैश्वीकरण और बाजारीकरण के दौर में हमारी शिक्षा व्यवस्था को भारतीयता के अनुकूल बनाने की जरूरत है। वर्तमान समय में विद्यार्थियों के संदर्भ में एक शिक्षक की भूमिका और भी महत्त्वपूर्ण होती जा रही है क्योंकि उसे न केवल बच्चों का बौद्धिक, नैतिक, मनोवैज्ञानिक तथा शारीरिक विकास करना है बल्कि सामाजिक, चारित्रिक, नैतिक एवं सर्वांगीण विकास भी करना है।

नई शिक्षा नीति का प्रमुख उद्देश्य बच्चों को सिर्फ साक्षर नहीं बनाना है बल्कि उनमें सामाजिक और भावनात्मक कौशल का समुचित विकास करना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में 2030 तक स्कूली शिक्षा के सर्वव्यापीकरण का लक्ष्य रखा गया है। इसमें पाठ्यक्रम की संरचना के साथ-साथ अध्यापन के तौर तरीकों और आकलन व्यवस्था में भी बदलाव को इंगित किया गया है। यह एक वृहद दस्तावेज है जिस पर विमर्श जारी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर यह आरोप भी है कि संसाधनहीनता की स्थिति में हम कैसे अपने शैक्षणिक ढांचे में आमूलचूल परिवर्तन ला सकते हैं? प्राचीन काल में शिक्षा का उद्देश्य 'सा विद्या या विमुक्तये' रहा अर्थात विद्या वही है, जो मुक्ति दिलाए। आज शिक्षा का उद्देश्य 'सा विद्या या नियुक्तये' हो गया है अर्थात विद्या वही जो नियुक्ति दिलाए। इस दृष्टि से शिक्षा के बदलते अर्थ ने समाज की मानसिकता को बदल दिया है। यही कारण है कि आज समाज में लोग केवल शिक्षित होना चाहते हैं, सुशिक्षित यानी गुण-सम्पन्न नहीं बनना चाहते। मानो उनका लक्ष्य केवल बौद्धिक विकास ही है। इन स्थितियों से शिक्षकों को बाहर निकलने में नई शिक्षा नीति से बहुत अपेक्षाएं हैं।

## संक्षिप्त समाचार

### धीरज गुलशन बने भीम आर्मी स्टूडेंट फैडरेशन तहसील उपाध्यक्ष और प्रदीप कुमार तहसील अध्यक्ष

**चमकता राजस्थान। भरतपुर (राजवीर सिंह)** जिले के गांव श्रीनगर निवासी धीरज गुलशन को बीते दिन भीम आर्मी स्टूडेंट फैडरेशन का तहसील उपाध्यक्ष बनाते हुये गांव खान सूरजापुर के प्रदीप कुमार जाटव को तहसील अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया है। प्रमोद कुमार ने बताया कि यह नियुक्ति बाबा साहब अम्बेडकर कांशीराम की विचार धारा को बहुजन हिताय बहुजन सुखाय आगे बढाने को लेकर प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाट द्वारा हमे दोनो मिशनरियों को तहसील अध्यक्ष एवं तहसील उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है।



### पुलिस पेपर पास कराने का झांसा देकर हड़पी दो लाख की नगदी

**चमकता राजस्थान। नदबई, (राजवीर सिंह)।** राजस्थान पुलिस पेपर में पास कराने के लिए दो लाख रुपए लेने व पेपर पास नही होने पर दो लाख रुपए वापिस नही करने का आरोप लगाते हुए नदबई क्षेत्र के गांव तलछेरा निवासी प्रेमसिंह गुर्जर पुत्र हंसराम गुर्जर ने तीन लोगों के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराया।

पीडित का आरोप है कि, करीब दो साल पहले किशनपुरा निवासी महावीर गुर्जर पुत्र रामकरण गुर्जर ने अपने चाचा गोविन्दराम व प्रताप गुर्जर के साथ मिलीभगत कर पुलिस विभाग के उच्चाधिकारियों से जानकारी होने के बारे में बताया। वही, राजस्थान पुलिस में नौकरी लगाने के लिए सात लाख रुपए व पेपर में पास कराने के लिए दो लाख रुपए देने को कहा। झांसे में आकर पीडित ने करीब दो साल पहले पेपर पास कराने के लिए दो लाख रुपए दिए। बाद में पेपर में पास नही होने पर आरोपियों ने रुपए देने से इंकार कर दिया। दो लाख रुपए वापिस नही करने पर पीडित ने तीनों आरोपियों के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराया। उधर, मामला दर्ज कर पुलिस जांच पडताल में जुट गई।

### एनडीपीसी मामलें में चार माह से फरार आरोपी गिरफ्तार

**चमकता राजस्थान। नदबई, (राजवीर सिंह)।** नदबई पुलिस ने एनडीपीसी एक्ट मामलें में चार माह से फरार आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से आरोपी को पुलिस रिमाण्ड़ पर भेज दिया। पुलिस के अनुसार बरौलीछार निवासी दिनेश पुत्र रमेश को गिरफ्तार किया गया। गौरतलब है कि ३० अप्रेल को पुलिस ने कार्रवाई करते हुए छतरपुर निवासी रुस्तम सिंह पुत्र विजेन्द्र सिंह से ४ किलो गांजा जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया। कार्रवाई दौरान बरौलीछार निवासी आरोपी दिनेश शर्मा फरार हो गया। बाद में पुलिस ने मंगलवार देर रात आरोपी को गिरफ्तार किया।

### ब्रह्माकुमारीज़ के राजयोग भवन में शिक्षक सम्मान समारोह आज

**चमकता राजस्थान/जयपुर।** शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय शाखा टोंक के राजयोग भवन मे शिक्षक सम्मान समारोह और शिक्षक झ समृद्ध एवं सशक्त राष्ट्र के मार्गदर्शक विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। सेवा केंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी अपर्णा दीदी ने बताया कि दिनांक 5 सितंबर 2024 को सायं 5:00 से 7:00 बजे तक इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा जिसमें जिले की शिक्षक एवं शिक्षिकाएं भाग लेंगे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नैतिक, चारित्रिक और मानवीय मूल्यों को अपने जीवन में आत्मसात कर श्रेष्ठ समाज की पुनर्स्थापना करना है।

### राजाखेड़ा में दिव्यांगजन यूआईडी पंजीकरण शिविर का हुआ आयोजन

**चमकता राजस्थान। धौलपुर( रामदास तरुण)।** राजाखेड़ा पंचायत समिति परिसर में दिव्यांगजनों के लिए शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में दिव्यांगजनों के पंजीकरण बढ़ाने एवं डिजिटल प्रमाण पत्र एवं यूडीआईडी कार्ड जारी करवाने तथा दिव्यांगजनों के चिकित्सा प्रमाण पत्र बनवाने रोडवेज पास, विकलांग छात्रवृत्ति इत्यादि योजनाओं को लाभान्वित करने के उद्देश्य से शिविर का आयोजन किया गया। दिव्यांगजन स्वयं अपने निकटतम ईमित्र केंद्र राजीव गांधी सेवा केंद्र पर जाकर निशुल्क पंजीयन करवाकर एवं स्वयं के कंप्यूटर मोबाइल से भी पंजीयन पोर्टल ररड . ९२३ँल्ल.ॅङ्म५.ल्ल के माध्यम से भी कर सकते हैं। शिविर में ईमित्र एवं डॉक्टरों की टीम ने 130.यूआईडी कार्ड के रजिस्ट्रेशन एवं 22 रोडवेज परिवहन पास एवं लाभार्थी दीपिका पुत्री हरिओम तिवारी निवासी गांव कैलाशपुरा मौके पर ही व्हीलचेयर प्रदान कर दिव्यांग पेंशन से लाभान्वित किया गया दिव्यांगजनों को कैंप से संबंधित विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की शिविर में तहसीलदार टि-केंद्र सिंह,कार्यवाहक बीडीओ रामदीन गुर्जर, कार्यवाहक सीबीआई चरण सिंह, बीएसएसओ आरुषि गुप्ता, सीडीपीओ अवनीश कुमार, बीसीएमओ रामनरेश स्वास्थ्य विभाग के नितिन दीक्षित, प्रमोद शर्मा, दीपक, राहुल, लोकेश धाकड़, सहित समस्त ब्लॉक स्तरीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

# मातृशक्ति वृक्षारोपण कर हर साल उसका जन्मदिन मनाने का संकल्प ले : निंबाराम

## अमृता देवी प्रकृति संवर्धन अभियान के तहत सघन वृक्षारोपण

चमकता राजस्थान

**जयपुर, 4 सितंबर।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक निंबाराम ने कहा कि हम वृक्षारोपण केवल फोटो के लिए नही करे। आज रोपा हुआ वृक्ष जीवित रहे इतनी चिंता और संकल्प हमारा होना चाहिए। मातृशक्ति अपने घरो के आगे अपने नाम से न्यूनतम एक वृक्ष लगाकर उसको पालने और हर साल उसका जन्मदिन मनाने का आज संकल्प ले। निंबाराम बुधवार को अमृता देवी प्रकृति संवर्धन अभियान के अंतर्गत प्रताप नगर सेक्टर 7 स्थित प्रज्ञासागर उद्यान में मातृशक्ति द्वारा आयोजित सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बोल रहे थे। निम्बाराम ने कहा कि देश हमे सबकुछ देता है हम भी देश को देना सीखे। हम केवल लेते रहे और देने की दिशा मे कोई प्रयास नही हो तो यह कितने दिन चलेगा? एक दिन प्रलय को आना ही है। वायनाड इसका प्रत्यक्ष ताजा उदाहरण है।

उन्होने कहा कि पर्यावरण को लेकर पूरे देश दुनिया में बडी चिंता है। पिछले 20 सालों में वनो को काटकर उन्हे कम किया गया जो निश्चित ही परेशान करने वाला विषय है। वृक्षारोपण कर इस परिदृश्य को बदलना होगा जिसमे हम सब की सक्रिय भूमिका चाहिए, विशेषकर उपस्थित मातृशक्ति की अहम है। वैसे भी आज अमृता देवी पर्यावरण का प्रतीक है। पर्यावरण के संरक्षण और संवर्धन की दिशा मे काम करनेवाले लोगो के लिए आज अमृता देवी प्रेरणास्त्रोत है। ऐसे ही उपस्थित मातृशक्ति अपने अपने क्षेत्र में सघन वृक्षारोपण कर इस कार्य को आगे बढ़ने का कार्य बेहतर तरीके से कर सकती है और देश मे कई स्थानो पर ऐसा कर भी रही है। यहा भी मातृशक्ति को ऐसा करने की निश्चित ही आवश्यकता है। इस अवसर पर उन्होने वृक्षों व पर्यावरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए वृक्षो की रक्षा हेतू अमृता देवी सहित 363 मातृशक्तियो के बलिदान को याद किया। साथ ही तुलसी-पीपल इत्थादि पौधों का वैज्ञानिक महत्व पर भी प्रकाश डाला।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती सुमन शेखावत रही। उन्होने भी पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन की दिशा में मातृशक्ति की अहम भूमिका पर अपनी सक्रिय जिम्मेदारी निभाने की बात कही।

मंचीय कार्यक्रम के बाद क्षेत्रीय प्रचारक निंबाराम द्वारा वृक्षारोपण कर वृक्षारोपण कार्य की शुरूआत की। इसके बाद उपस्थित सैकडो महिलाओ ने एक ही दिन मे 1000 वृक्षो का रोपण कर उनके पालन-पोषण का संकल्प लिया।

### जैसा आप देंगे वैसा ही आपको मिलेगा

» कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विवेकानंद आश्रम के स्वामी एस.पी. आचार्य ने अंग्रेजी शब्द 'हअळउल' की व्याख्या करते हुए उसके पीछे छुपे संदेश को सबके सामने रखा। उन्होने कहा कि मानव को शब्द, क्रिया, विचार, चरित्र और स्वास्थ्य पर सतत वॉच रखना चाहिए। ऐसा करेगे तो हम सच्चे मानव बन सकेगे। उन्होंने यह भी कहा कि जो आप चाहते हैं उसे देना शुरू करिए। आप दुख चाहते हैं तो लोगो को दुख देना शुरू करिए और आप सुख चाहते हैं तो सुख देना शुरू करिए। जैसा आप देंगे वैसा ही आपको ईश्वर देगा. इस अवसर पर स्वामीजी ने भी पर्यावरण से संबंधित विचार रखें।

### सैकडो मातृशक्ति ने किया प्रतापनगर मे एक दिन में 1000 वृक्षो का रोपण

**मुख्य वक्ता संघ के क्षेत्र प्रचारक निंबाराम का जनसमुदाय से 'सघन वृक्षारोपण' करने का आव्हान।**

# धौलपुर पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरड़ा की पहल, अगर जिले में महिला या बच्चियों को कोई व्यक्ति करता है! परेशान तो सीयूजी नंबर 8764511201 या 1090 पर कर सकती है! शिकायत, शिकायत पर की जाएगी त्वरित कानूनी कार्यवाही

चमकता राजस्थान

**धौलपुर( रामदास तरुण) ।** पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरड़ा ने महिलाओं और बच्चियों के साथ होने वाली घटनाओं पर रोक लगाने एवं उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक पहल करते हुए जिले की महिलओं और बच्चियों से अपील की है! कि अगर आपके साथ किसी के द्वारा छेड़छाड़, पीछा करना सहित अन्य कोई घटना की जाती है! या आपको ऐसा लगता है! कि ऐसी घटना कोई व्यक्ति कर सकता है! तो आप पुलिस अधीक्षक धौलपुर के सीयूजी नंबर 8764511201 पर तत्काल व्हाटस्अप मैसिज शिकायत दर्ज करा सकती है, शिकायतकर्ता की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी और संबधित व्यक्ति के खिलाफ त्वरित काननी कार्यवाही की जावेगी। इसके साथ ही महिला हेल्प लाइन 1090 पर भी शिकायत की जा सकती है। पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरड़ा ने बताया है कि महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा के लिए धौलपुर पुलिस पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

# दिव्यांगजनों को नि:शुल्क मिलेगा कृत्रिम अंग, आशान्वित ब्लॉक नीमराना में आज लगेगा शिविर

चमकता राजस्थान

**कोटपूतली-बहरोड़,(धर्मेंद्र बंसल)**। दिव्यांगजनों के लिए एडिप योजना के तहत कृत्रिम अंग निःशुल्क प्रदान करने के लिए लिए शिविर लगाया जाएगा. शिविर में आने वाले दिव्यांगों को कोई परेशानी ना हो इसके लिए ऑन द स्पॉट जांच की सुविधा रहेगी। इस शिविर का आयोजन आशान्वित ब्लॉक नीमराना में 5 सिंतबर को होगा। इसमें दिव्यांगों को कृत्रिम अंग भी उपलब्ध कराया जाएगा।

**● दिव्यांगजनों को उपलब्ध कराया जाएगा कृत्रिम अंग**

जिला समाज कल्याण अधिकारी रमेश दहमीवाल ने बताया कि एसआर ट्रस्ट रतलाम के द्वारा एडिप योजना के तहत दिव्यांगजन को ऑन द स्पॉट निःशुल्क जांच एवं वितरण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह संस्था भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) कानपुर के सहयोग से दिव्यांगजनों को उच्च कोटि का कृत्रिम हाथ, कृत्रिम पैर एवं कैलीपर इत्यादि उपकरण निःशुल्क प्रदान करेगी। इस शिविर में जांच के साथ ही उसी दिन कृत्रिम अंग और कैलीपर प्रदान किया जाएगा।

**● इन दस्तावेजों/प्रपत्रों का होना हैं आवशयक**

-पहचान प्रमाण पत्र-आधार कार्ड।-दिव्यांगता प्रमाण पत्र- udid कार्ड। आय प्रमाण पत्रः जिनकी समस्त स्त्रोतों से मासिक आय 22500/- रूपये प्रतिमाह से कम हो वह राजस्व विभाग, माननीय सांसद/माननीय विधायक एवं ग्राम प्रधान द्वारा प्रदत आय प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर सकते है।जिन दिव्यांगजनो के पास udid card है या udid पंजीकरण संख्या प्राप्त है वो ही शिविर में उपस्थित होकर उपकरणों हेतु परीक्षण करवा सकते है।

### जयपुर में पुलिस थाना मुहाना का कानिस्टेबल 5 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

**चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी)।** ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर ए.सी.बी. की जयपुर नगर-चतुर्थ इकाई द्वारा आज देर रात कार्यवाही करते हुये वीपी सिंह कानिस्टेबल, पुलिस थाना मुहाना, जयपुर आयुक्तालय को परिवादी से 5 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि ए.सी. बी. की जयपुर नगर-चतुर्थ इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसके विरूद्ध दर्ज परिवाद में समझौता कराने एवं उनके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं करने की एवज में आरोपी वीपी सिंह कानिस्टेबल, पुलिस थाना मुहाना, जयपुर आयुक्तालय द्वारा 5 हजार रुपये रिश्वत की मांग कर परेशान किया जा रहा है।जिस पर एसीबी जयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस डॉ. रवि के सुपरवीजन में एसीबी की जयपुर नगर-चतुर्थ इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बलराम मीणा के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर आज पुलिस निरीक्षक रजनी मीणा द्वारा मय टीम के ट्रेप कार्यवाही करते हुए आरोपी वीपी सिंह कानिस्टेबल, पुलिस थाना मुहाना, जयपुर आयुक्तालय को परिवादी से 5 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ तथा कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने समस्त प्रदेशवासियों से अपील की है कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की हैल्पलाईन नं. 1064 एवं हँ३रंस्त्रस्त्र हैल्पलाईन नं. 94135-02834 पर 24७7 सम्पर्क कर भ्रष्टाचार के विरूद्ध अभियान में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। एसीबी आपके वैध कार्य को करवाने में पूरी मदद करेगी।

# उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने की विद्याधर नगर में जनसुनवाई

## उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बुधवार को अपने निर्वाचन क्षेत्र विद्याधर नगर में जनसुनवाई की।

चमकता राजस्थान

जयपुर। भाजपा संगठन के मंडलवार वार्ड वर्गीकरण को अपनाते हुए उपमुख्यमंत्री, विद्याधर नगर मंडल में आने वाले वार्ड सं. 4, 5, 8, 21, 22, 23, 24, 26, 27 की जन समस्याओं की सुनवाई बुधवार को अंबाबाड़ी के आदर्श विद्या मंदिर विद्यालय में की गयी।

इस जनसुनवाई में सार्वजनिक निर्माण विभाग, जिला प्रशासन, नगर निगम ग्रेटर, जिला रसद विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, पर्यटन विभाग, पुलिस आयुक्तालय के अधिकारी उपस्थित रहे । इसके साथ ही इस जनसुनवाई में जेवीवीएनएल, रीको झ विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र, जलदाय विभाग और एनएचएआई के अधिकारियों को भी उपस्थित रहे। जनसुनवाई में आमजन की परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिये।





उन्होंने विभिन्न वार्डों से आए फरियादियों की परिवेदनाओं को गंभीरता से सुनकर संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि आमजन की परिवेदनाओं को त्वरित निस्तारित करें,इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग को मिल सके। साथ ही, अंतिम छोर तक इन योजनाओं का लाभ पंहुचे, इस उद्देश्य से जनसुनवाई की गई,उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के चहुमुखी विकास के लिए हर संभव प्रयास कर रही है,साथ ही, प्रदेशवासियों के जनकल्याण के लिए पारदर्शिता एवं निस्वार्थ भाव से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि जन सुनवाई में जन हितैषी कार्यों की सुनवाई कर लोगों को ज्यादा से ज़्यादा राहत प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है !

## संक्षिप्त समाचार

### असम : 2,200 करोड़ के ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले में 68 गिरफ्तार

**गुवाहाटी/एजेंसी।** असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बुधवार को बताया कि 2,200 करोड़ रुपये के ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले के सिलसिले में कम से कम 68 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पत्रकारों से बात करते हुए सीएम सरमा ने कहा, पुलिस ने ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले में शामिल 68 लोगों को गिरफ्तार किया है। इसकी जांच जारी है और आगे की जानकारी बहुत जल्द सामने आएगी। मैं लोगों से अपील करना चाहता हूं कि वे धोखेबाजों के जाल में न फंसें। कोई भी व्यक्ति ट्रेडिंग के जरिए किसी को 25 या 30 प्रतिशत का लाभ नहीं दे सकता है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा, मुझे उम्मीद है कि आम जनता ने टीवी में देखा होगा कि धोखेबाज लोग, जनता के पैसे से आलीशान जिंदगी जी रहे हैं। मैं हर नागरिक से आग्रह करता हूं कि अपनी मेहनत की कमाई को बर्बाद न करें। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि असम पुलिस ने एक बड़े वित्तीय घोटाले का पर्दाफाश किया है, जिसमें दलाल, लोगों के पैसे दोगुना करने का वादा करके ऑनलाइन शेयर बाजार में फर्जी निवेश करते थे। पुलिस ने इस मामले में गुवाहाटी निवासी स्वप्निल दास और डिब्रूगढ़ निवासी विशाल फुकन समेत कई लोगों को गिरफ्तार किया है। इसमें अभी कई और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

पुलिस के अनुसार, आरोपी फुकन ने अपनी आलीशान लाइफस्टाइल का इस्तेमाल लोगों को लुभाने के लिए किया और अपने निवेशकों को 60 दिन के भीतर उनके पैसे पर 30 प्रतिशत रिटर्न देने का भरोसा दिया था। असमिया सिनेमा में निवेश करने के अलावा, उसने चार फर्जी व्यवसाय स्थापित किए और कई घर खरीदे। पुलिस ने डिब्रूगढ़ में उसके आवास पर छापा मारकर करोड़ों रुपये के घोटालों से जुड़ी फाइलें जब्त की हैं।

पुलिस अब असमिया कोरियोग्राफर और अभिनेत्री सुमी बोरा की तलाश कर रही है, जो कथित तौर पर फुकन के नेटवर्क से जुड़ी हुई है। राजस्थान के उदयपुर में सुमी बोरा की शादी में कथित तौर पर फुकन ने करोड़ों रुपये खर्च किए थे। सुमी का पति भी पुलिस की जांच के घेरे में है। फिलहाल वह फरार है।

पुलिस ने बुधवार को फुकन और दास को गिरफ्तार करके कोर्ट में पेश किया और उसकी सात दिन की हिरासत की मांग की।

### 50 टीचरों को दिया जाएगा नेशनल टीचर अवॉर्ड, राष्ट्रपति मुर्मू अपने हाथों से करेंगी सम्मानित

**नई दिल्ली/एजेंसी।** देश 5 सितंबर को डॉ. सर्वपल्ली कृष्णन की जयंती के रूप में शिक्षक दिवस मनाया रहा है। इस अवसर पर, शिक्षा मंत्रालय का स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग हर साल देश के बेस्ट टीचर्स को नेशनल अवॉर्ड देने के लिए राष्ट्रीय स्तर का समारोह आयोजित करता है। इस साल विभाग ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 50 शिक्षकों का चुना है, जिन्हें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा विज्ञान भवन में शाम 4.15 बजे सम्मानित किया जाएगा।

**● 28 राज्यों, 3 केंद्र शासित प्रदेश से नाम**

ये पुरस्कार विजेता 28 राज्यों, 3 केंद्र शासित प्रदेशों और 6 संगठनों से चुने गए हैं। लिस्ट में 34 पुरुष और 16 महिला टीचरों के नाम शामिल हैं, जिनमें 2 दिव्यांग शिक्षक और 1 ऐसा शिक्षक शामिल है जो विशेष रूप से विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (ष्ङ्खस्ह) के साथ काम करते हैं। इन 50 शिक्षकों के अलावा, उच्च शिक्षा विभाग के 16 शिक्षक और कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के 16 शिक्षकों को भी इस अवसर पर सम्मानित किया जाएगा।

### पीडीआरएल ने भारत का पहला सास प्लेटफ़ॉर्म भूमीट लॉन्च किया

**● भूमीट ड्रोन सेवा प्रदाताओं को किसानों से जोड़ेगा**

**नई दिल्ली/एजेंसी।** ड्रोन तकनीकी में अग्रणी इनोवेटर, पीडीआरएल, ने एक उन्नत  सास प्लेटफ़ॉर्म भूमीट के लॉन्च की घोषणा की है। यह प्लेटफॉर्म कृषि सम्बंधी छिड×काव और सर्वेक्षण जैसी आवश्यक ड्रोन सेवाओं तक पहुँचने और उनका प्रबंधन करने के तरीकों में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। ड्रोन सेवा प्रदाताओं और किसानों के बीच की खाई को पाटकर, भूमीट भारत में ड्रोन छिड×काव संचालन के परिदृश्य को बदलने के लिए तैयार है। भरोसेमंद ड्रोन सेवाओं का पता लगाने और ऑपरेशनल वर्कफ़्लो को अनुकूलित करने के लिए भूमीट एक सहज एवं कुशल समाधान प्रदान करता है। कृषि भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और कृषि पर लाखों लोगों की अपनी आजीविका के लिए निर्भर रहते हैं। भारत में ड्रोन तकनीक के एकीकरण के लिए बहुत संभावनाएँ हैं। विश्व बैंक के अनुसार, 2021 तक भारत में कृषि भूमि 17 लाख 80 हजार वर्ग किलोमीटर से अधिक फैली हुई थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा किया गया कृषि परिवारों की स्थिति आकलन (सास) रिपोर्ट का अनुमान है कि 9 करोड़ से 15 करोड़ किसान सक्रिय रूप से खेती-किसानी में लगे हुए हैं, जिनमें छोटे किसानों से लेकर बड़े पैमाने पर खेती करने वाले भूमि मालिक तक शामिल हैं। यह देखते हुए कि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा खाद्यान्न, फल और सब्जियों का उत्पादक है, और चीनी का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक भी  है, कृषि में ड्रोन का उपयोग सिर्फ कीटनाशक छिड×काव तक सीमित नहीं है, बल्कि उससे कहीं आगे तक है। ड्रोन फसल निगरानी एवं स्वास्थ्य मूल्यांकन, सटीक कृषि, क्षेत्र मानचित्रण एवं सर्वेक्षण, फसल स्काउटिंग एवं  निगरानी, रोपण एवं बीजारोपण, सिंचाई प्रबंधन, पशुधन निगरानी और कटाई के बाद के मूल्यांकन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

# 11 आरएएस अधिकारी बने आईएएस

## गहलोत के ओएसडी रहे देवाराम सैनी, पायलट के एसए रहे आकाश तोमर सहित 11 अफसर प्रमोट

## देवा राम सैनी, शाहीन अली, आकाश तोमर अजय असवाल

चमकता राजस्थान

**जयपुर (खलील कुरैशी)** । प्रदेश के 11 आरएएस अफसरों को आरएएस में प्रमोट किया गया है। केंद्रीय कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग ने इन्हें प्रमोट करने के आदेश जारी कर दिए हैं। प्रमोट किए गए सभी 11 अफसर 1997 बैच के आरएएस हैं। आरएएस से आरएएस बने अफसरों को 2023 की वैकेंसी से प्रमोट किया है, इनका आईएएस में बैच 2023 का होगा। आरएएस बने अफसरों में शाहिद अली खान, आकाश तोमर, अरुण कुमार हसीजा, मनीष गोयल, मातादीन मीणा, कमल राम मीणा, केसर लाल मीणा, हिम्मत सिंह बार-हठ, पुरुषोत्तम शर्मा, देवाराम सैनी और अजय असवाल शामिल हैं। इनमें देवाराम सैनी पूर्व सीएम अशोक गहलोत के ओएसडी रह चुके हैं। शाहिद अली और अजय असवाल गहलोत राज में सीएमओ में संयुक्त सचिव रह चुके हैं। पुरुषोत्तम शर्मा गहलोत सरकार के समय दो साल डीपीआर रह चुके हैं।पुरुषोत्तम शर्मा अभी सीकर में एडिशनल डिवीजनल कमिश्नर हैं। शर्मा गहलोत राज में सूचना और जनसंपर्क निदेशालय के निदेशक जैसे अहम पद पर रह चुके हैं। शाहिद अली खान अभी एचसीएम, आरआईपीए जयपुर में अतिरिक्त निदेशक हैं। वे इससे पहले गहलोत के मुख्यमंत्री रहते हुए सीएमओ में संयुक्त सचिव रह चुके हैं।आकाश तोमर अभी अजमेर के एडिशनल डिवीजनल कमिश्नर हैं। तोमर पहले सचिन पायलट के डिप्टी सीएम रहते हुए उनके स्पेशल असिस्टेंट रहे थे, इसके बाद पूर्व परिवहन मंत्री बृजेंद्र सिंह ओला के स्पेशल असिस्टेंट भी रहे थे।अजय असवाल कॉलेज शिक्षा विभाग में एडिशनल कमिश्नर हैं। असवाल 2022 से 2024 तक तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के समय सीएमओ के संयुक्त सचिव रह चुके हैं।




**शाहीन अली सहित सभी नव आईएएस अधिकारीयों को लगा बधाइयों का तांता**

### शाहीन अली खान के आईएएस बनने पर वरिष्ठ गणमान्य और युवा समाजसेवियों ने प्रेषित करी बधाइयाँ

जयपुर। शाहीन अली खान के आरएएस से आईएएस बनने पर कई सामाजिक एवं नेताओं ने बधाई दी। दैनिक चमकता राजस्थान समाचार पत्र के एडिटर इन चीफ और न्यू आदर्श श्रमजीवी पत्रकार संघ राष्ट्रीय संगठन के प्रदेशाध्यक्ष खलील कुरैशी, पूर्व आईएएस यू.डी.खान, जमायतुल कुरेश के राष्ट्रीय महासचिव एवं व्यवसायी नईमुद्दीन कुरैशी इंडियाना, अधिवक्ता सुभान खा, शौकत कुरैशी, मुसाफ़िर खाने के सदर शब्बीर कुरैशी, जमातखाने के उपाध्यक्ष शुजाउद्दीन मुन्ना भाई, सचिव इस्लामुद्दीन एम डी, फसीउद्दीन कुरैशी, नईम रब्बानी, लतीफ़ आर्को ,अमजद खान बिसाऊ इलियास कुरैशी, विधायक हाकम खान, विधायक जाकिर गैसावत,विधायक रफीक खान, विधायक अमीन कागज़ी, वक्फ बोर्ड चेयरमैन खानु खान बुधवाली, विधायक जुबैर खान,मदरसा बोर्ड चेयरमैन एम.डी.चौपदार, समाजसेवी पप्पू कुरैशी, शब्बीर कुरैशी मुहम्मदी, पूर्व आईएएस अधिकारी ए.आर.खान, पूर्व आईआरएस एवं समाजसेवी के.सी. घुमरिया मनोहरपुर जामा मस्जिद सदर जमील खान चौहान, विशाल जैन, जाट महासभा के अध्यक्ष राजाराम मील सहित अनेक गणमान्य और वरिष्ठ और युवा समाजसेवियों ने सैंकड़ो की ने शाहीन अली खान को आईएएस बनने पर बधाई दी।

## एसीबी के कानूनी शिकंजे के गिरफ्त में आया भ्रष्ट आरटीओ इंस्पेक्टर सुरेंद्र करोड़ों का मालिक

## एसीबी ने 6 ठिकानों पर की छापेमारी

### जयपुर में पांच मंजिला कॉप्पलेक्स, कीमती जमीन और विदेश यात्राओं के डॉक्युमेंट मिले

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) एसीबी ने बुधवार को सिरोही आरटीओ ऑफिस में तैनात इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह चौहान के जयपुर और सिरोही स्थित किराया के मकान सहित 6 ठिकानों पर सर्च किया गया। सर्च के दौरान जयपुर में करोड़ों रुपए की कीमत के जमीनी दस्तावेज और विदेश यात्राओं के डॉक्युमेंट भी मिले हैं। बताया जा रहा है कि मंगलवार को ही एसीबी से मामला दर्ज किया था। सर्च के दौरान एसीबी को करोड़ों की जमीन के डॉक्युमेंट मिले हैं। जयपुर के अम्बाबाड़ी में पांच मंजिला कॉम्पलेक्स उनके नाम मिला है।एसीबी के डीजी रवि प्रकाश ने बताया कि एसीबी को कुछ दिनों पहले शिकायत मिली थी कि सिरोही में तैनात आरटीओ इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह चौहान ने भ्रष्टाचार कर बहुत प्रॉपर्टी शामिल की है। शिकायत मिलने पर इसका सत्यापन करवाया गया। सत्यापन में शिकायत सही होने पर मंगलवार को आरटीओ इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह चौहान के खिलाफ एसीबी ने आय से अधिक संपत्ति



**का मामला दर्ज**

किया। इसके बाद 6 टीमों को जयपुर और सिरोही के लिए रवाना किया गया। बुधवार सुबह से ही चौहान के जयपुर में 5 और सि-रोही में 1 एक ठिकाने पर सर्च चल रहा है। बताया जा रहा है कि एसीबी को कई अहम दस्तावेज मिले है। जयपुर में बजाज नगर स्थित आवास, सीतापुरा में फैक्ट्री, अम्बाबाड़ी में कॉम्लेक्स में एसबी सर्च कर रही है। प्रारंभिक सर्च के दौरान एसीबी को डेढ़ लाख रुपए कैश मिला है। आरोपी सुरेंद्र सिंह चौहान के जयपुर स्थित आवास की तलाशी में 5 आवासीय व्यावसायिक भूखंडों के दस्तावेज मिले हैं। इनमें मालपुरा टोंक में करीब 48 लाख रुपए कीमत की 8 बीघा कृषि भूमि, अम्बाबाड़ी शॉपिंग सेंटर में पांच मंजिला व्यावसायिक परिसर है।वहीं करीब 6 लाख रुपए मूल्य के 30 किसान विकास पत्र, एफडीआर, लगभग 5.50 लाख रुपए कीमत के सोने चांदी के आभूषण और वाहन मिले हैं। इसके अलावा 1 बैंक लॉकर और 9 बैंक खाते तथा विदेश यात्राओं से संबंधित दस्तावेज भी मिले हैं।

**सिरोही में भी चला सर्च ऑपरेशन**

वहीं सिरोही में हाउसिंग बोर्ड स्थित आवास में भी एसीबी की टीम सुबह पहुंची थी। यहां सुबह 7 बजे सर्च शुरू किया था जो करीब 6 घंटे तक चली। सामने आया कि हाउसिंग बोर्ड में जहां सुरेंद्र सिंह रह रहा था, वो किराया पर ले रखा था। सर्च के दौरान सुरेंद्र सिंह जयपुर में थे।
सिरोही में सर्च कर रही टीम ने बताया कि यहां ऐसे कोई डॉक्युमेंट नहीं मिले है। दरअसल, एसीबी के पास सूचना थी की सिरोही में ड्यूटी के दौरान इंस्पेक्टर सुरेन्द्र सिंह चौहान ने गलत तरीके से पैसा कमाया है और जयपुर समेत आसपास के इलाकों में जमीन भी खरीदी है। प्रारंभिक जानकारी में ये भी सामने आया है कि सुरेंद्र सिंह चौहान ने एक सोसाइटी से बैक डेट में पट्टे भी लिए है। इसके बाद एसीबी टीम सोसायटी संचालक के यहां भी पहुंची है।

## ग्रेटर नोएडा की सुपरटेक इको विलेज 2 में दूषित पानी पीने से बीमार लोगों की संख्या 500 के पार




**ग्रेटर नोएडा/एजेंसी।**

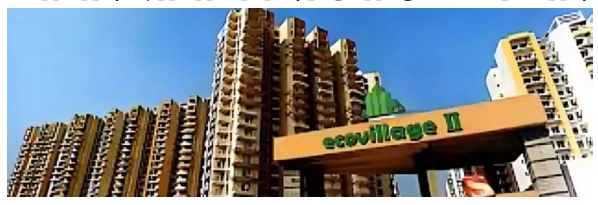

ग्रेटर नोएडा के सुपरटेक इको विलेज-2 सोसाइटी में दूषित पानी पीने के कारण बीमार पडने़ वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बुधवार को यह आंकड़ा 500 से अधिक हो गया। मंगलवार को जब गौतम बुद्ध नगर के स्वास्थ्य विभाग ने कैंप लगाया था तब यह आंकड़ा 300 के पार पहुंच गया था। बुधवार को निजी अस्पतालों ने सोसाइटी के अंदर हेल्थ चेकअप कैंप लगाया। इसमें बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। सोसाइटी में कई परिवार ऐसे हैं, जिसके सभी सदस्य दूषित पानी पीकर बीमार हो चुके हैं। बता दें कि मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग के कैंप में बीमार लोगों की संख्या 339 थी। लेकिन, बुधवार को निजी अस्पतालों के लगाए गए कैंप में 200 से अधिक लोगों ने चिकित्सा सहायता ली। इसमें से ज्यादातर मरीज उल्टी, दस्त और बुखार की समस्या से परेशान थे। बीमार लोगों में बच्चों और बुजुर्गों की संख्या सबसे ज्यादा है।

इस मामले को लेकर सोसाइटी से पानी के सैंपल लिए जा चुके हैं। इसके अलावा ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने भी पाइपलाइन और चेकप्वाइंट का निरीक्षण किया था।

इस मामले को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने गंभीरता से लिया है। सीईओ ने जलापूर्ति विभाग की टीम को तत्काल मौके पर जाकर जांच करने के निर्देश दिए थे। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक एसके मिश्र और वरिष्ठ प्रबंधक राजेश गौतम टीम को लेकर मंगलवार सुबह ही मौके पर पहुंचे थे और जलापूर्ति नेटवर्क का जायजा लिया था।

प्रारंभिक तौर पर प्राधिकरण की तरफ से हो रही जलापूर्ति में किसी तरह की कमी नहीं मिली है, फिर भी टीम ने पानी का सैंपल ले लिया है। लैब से इसकी जांच कराकर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। प्राधिकरण ने समस्या को लेकर पीड़ितों से बात भी की। लोगों ने बताया कि हाल ही में सोसाइटी के अंदर बने टैंक की सफाई कराई गई थी। उसके बाद ही गंदे पानी की सप्लाई हुई, जिसे पीने से लोग बीमार हुए हैं। जलापूर्ति विभाग के महाप्रबंधक जितेंद्र गौतम ने बताया कि ग्रेटर नोएडा की सभी ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी को प्राधिकरण की तरफ से उनके रिजर्वायर तक ही सप्लाई की जाती है। सोसाइटी के निवासियों के घरों तक जलापूर्ति खुद बिल्डर या फिर एओए (अपार्टमेंट ऑनर एसोसिएशन) की तरफ से कराई जाती है।

## जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा विभिन्न स्थानों पर किये जा रहे रहे पौधे वितरण

## एक पेड़ मां के नाम एवं मेरा पौधा मेरी शान थीम पर हो रहा जमीनी स्तर सकारात्मक वृक्षारोपण कार्यक्रम

चमकता राजस्थान

जयपुर, !(खलील कुरैशी) 04 सितम्बर। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के पर्यावरण संरक्षण अभियान को बढावा देने हेतु जेडीए द्वारा लगातार पौध वितरित किये जा रहे हैं। जयपुर विकास आयुक्त मंजू राजपाल ने बताया कि प्रधानमंत्री के ''एक पेड मां के नाम'' एवं मुख्यमंत्री द्वारा हरियालो राजस्थान अभियान के तहत आमजन में पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के साथ ही जैव विविधता को बनाये रखने हेतु जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा 10 फीट ऊंचाई के नीम, शीशम, करंज, अशोक, जकरण्डा, काइजेलिया पिन्नाटा, जामुन, आम, कचनार, अर्जुन, मोलश्री, बीलपत्र, सि-रस, गुलमोहर इत्यादि प्रजाति के फलदार, फूलदार व छायादार पौधें आमजन को रियायती दर 50 रू. प्रति पौधा प्रति आई. डी. पर पांच पौधें सैन्ट्रल पार्क, जवाहर सर्किल, त्रिवेणी नगर सामुदायिक केन्द्र, वैशाली नर्सरी पार्क, करधनी पार्क, स्मृति वन पार्क स्थित वितरण केन्द्रों पर वितरित किये जा रहे है।आमजन में पौधे प्राप्त करने हेतु महिलायें, पुरूष व बच्चों सहित आमजन में उत्साह देखा गया। जविप्रा द्वारा निर्धारित पोधा वितरण केन्द्र कमश सैन्ट्रल पार्क 238 पौधे, जवाहर सर्किल पार्क में 761 पौधे, त्रिवेणी नगर सामुदायिक केन्द्र 46 पौधे, वैशाली नर्सरी पार्क 489 पौधे, करधनी पार्क 168 पौधे, स्मृति वन पार्क में 160 पौधें वित्तरित किये गये है। आमजनों द्वारा जविप्रा द्वारा पौध वितरण केन्द्र पर स्थित सेल्फी पॉइंट पर सेल्फी भी ली गयी है जिसकी थीम मेरा पौधा मेरी शान एवं एक पौधा माँ के नाम हैआमजन से अपील की जाती है कि निर्धारित राशि का भुगतान करके गुणवत्ता पूर्ण पौधे ही स्वीकार करें। वितरित किये जा रहे पौधों की दर एवं गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की समस्या होने पर वरिष्ठ उद्यानविज्ञ, कार्यालय में संपर्क कर सकते है।

## संक्षिप्त खबरें

### 3.9 किलो चरस के साथ तस्कर घराया

**पूर्वी चंपारण।** मोतिहारी शहर स्थित छतौनी बस स्टैंड से मंगलवार को पटना से आयी नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की टीम ने स्थानीय छतौनी थाना पुलिस के सहयोग से 3 किलो 900ग्राम चरस के साथ एक तस्कर को दबोच लिया। गिरफ्तार तस्कर की पहचान घोड़ासहन के माईस्थान वार्ड 4 निवासी बृजकिशोर के रूप में हुई है। जिसने पूछताछ में बताया कि वह चरस की खेप लेकर दुसरे प्रदेश जाने वाला था। हालांकि इसकी गुप्त सूचना मिलने परनारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरों की टीम ने जाल बिछाकर उसे दबोच लिया।एनसीबी की टीम ने कानूनी प्रक्रिया पूरी कर तस्कर को अपने साथ ले गयी। छापेमारी में छतौनी थानाध्यक्ष धनंजय कुमार, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के इंस्पेक्टर एसके शर्मा सहित विनोद कुमार, प्रवीण कुमार, शशि पासवान, सचिन कुमार व लवकुश उपाध्याय सहित अन्य शामिल थे। इसकी जानकारी बुधवार को एएसपी सदर शिखर चौधरी ने दी है।

### चेन छिनकर भाग रहे बाइक सवार चढ़ा ग्रामीण के हत्थे

**भागलपुर।** जिले के सुल्तानगंज थाना से महज सौ मीटर की दूरी पर सैलून से अपने पोते का बाल कटवा कर घर जा रही सेवानिवृत्त महिला नर्स से बायपास रोड में बाइक सवार दो युवक बुधवार की सुबह लगभग 9 बजे चेन छीनकर भागने लगा। तभी सुल्तानगंज के बायपास निवासी भीम सिंह की पत्नी पीड़िता इंदु देवी जोर-जोर से चिल्लाने लगी। तभी स्थानीय लोगों ने उसे खदेड़ कर सुल्तानगंज के कृष्णगढ़ मोड़ के समीप एक आरोपी को पकड़ लिया और उसकी जमकर धुनाई। इसके बाद स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना सुलतानगंज थाना पुलिस को दी। घटना की सूचना पाकर सुलतानगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मौके से छिना गया चैन और अपाची बाइक बरामद कर लिया। आरोपी अपना घर कटिहार जिला बता रहा है। फिलहाल उक्त आरोपी का पुलिस अभिरक्षा में रेफरल अस्पताल सुल्तानगंज में इलाज चल रहा है। उधर पुलिस दूसरे आरोपी की तलाश कर रही है। उक्त आरोपी का किस गेंग के लिए काम करता है और इसका अपराधिक इतिहास भी पुलिस खंगाल रही है।

### अनियमितता बरतने में पैक्स प्रबंधक गिरफ्तार

**पूर्वी चंपारण।** जिला प्रशासन ने धान अधिप्राप्ति में गड़बड़ी करने वाले पैक्स पर कार्रवाई शुरू कर दी है। वैसे पैक्स अध्यक्ष व प्रबंध कार्यकारिणी के विरूद्ध कानूनी कारवाई की जा रही है,जिन्होने खरीफ विपणन मौसम 2023-24 में धान अधिप्राप्ति में अनियमितता की है। इसी कड़ी में बुधवार को छौड़ादानो प्रखंड के खैरवा पैक्स प्रबंधक, राजकुमार सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उल्लेखनीय है,कि छौड़ादानो प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी, गोपाल कुमार ने बीते 30अगस्त को खैरवा पैक्स की पूर्ण प्रबंधकारिणी पर जिला सहकारिता पदाधिकारी के आदेश के आलोक में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। दर्ज केस नं. 209/24 के आलोक में पूर्व में खैरवा पैक्स अध्यक्ष को गिरफ्तार कर लिया गया। वही बुधवार को खैरवा पैक्स के प्रबंधक राजकुमार सिंह को गिरफ्तार किया गया है।बताया गया है,कि पैक्स अध्यक्ष नौशाद आलम व प्रबंधक राजकुमार ने मिलकर कराब 65.38 लाख रुपए मूल्य के 299.5 मीट्रिक धान का गबन किया है।

### तृणमूल विधायक लवली के खिलाफ हाई कोर्ट में मामला

**कोलकाता।** अब तृणमूल की अभिनेत्री विधायक के खिलाफ कोलकाता हाई कोर्ट में मामला दायर किया गया है। डॉक्टरों के आंदोलन का अपमान करने और आरजी कर मामले में डॉक्टरों को धमकाने के आरोप में सोनारपुर विधायक लवली मित्र के खिलाफ हाईकोर्ट में केस दायर किया गया है। न्यायमूर्ति राजर्षि भारद्वाज ने मुकदमा दायर करने की अनुमति दे दी है। मामले की सुनवाई शुक्रवार को होने की संभावना है। 'जलनुपुर' सीरियल फेम लवली मित्र रविवार को एक विरोध सभा में शामिल हुईं। उन्होंने कहा, "आए दिन आंदोलन के नाम पर लोगों को परेशान किया जा रहा है। गरीब लोग जो इलाज के लिए आते हैं, जो ग्रामीण बंगाल से आते हैं, जो सीमांत क्षेत्रों से आते हैं, जो इलाज के लिए निजी अस्पतालों में जाने का जोखिम नहीं उठा सकते, वे आज मौत से लड़ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, "कोई इलाज नहीं है। क्या वे इंसान हैं? सोनारपुर विधायक को पार्टी ने दी चेतावनी। उन्हें भविष्य में ऐसी 'खराब' टिप्पणियां करने से परहेज करने का भी निर्देश दिया गया है। इस बीच सीपीएम नेता सायन बनर्जी ने उनके खिलाफ सोनारपुर थाने में शिकायत दर्ज करायी है। इस बार लवली मित्र के खिलाफ सीधे कोर्ट में केस दायर कर दिया गया।

### ईडी कार्यालय में मंत्री चंद्रनाथ सिन्हा को तलब

**कोलकाता।** ईडी कार्यालय में राज्य एक मंत्री। शिक्षा भ्रष्टाचार मामले में प्रवर्तन निदेशक ने कारा मंत्री चंद्रनाथ सिन्हा को तलब किया। समन का जवाब देते हुए मंत्री सीजीओ कॉम्प्लेक्स के ईडी कार्यालय पहुंचे। बोलपुर विधायक चंद्रनाथ सिन्हा हाल ही में राज्य के जेल मंत्री बने हैं। उनका नाम प्रारंभिक भर्ती भ्रष्टाचार मामले में जड़ित था। ईडी सूत्रों के मुताबिक, जांचकताओं को मंत्री के घर की तलाशी के बाद कई दस्तावेज, बैंक दस्तावेज मिले। जिसके आधार पर ईडी के अधिकारियों को लगा कि चंद्रनाथ से पूछताछ की जरूरत है। उसी आधार पर इस दिन चंद्रनाथ को बुलाया गया। उन्होंने भी हाजिर हुए।

### मुख्यमंत्री ने जेपी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माणाधीन टर्मिनल का किया निरीक्षण

# अधिकारियों को बचे हुए कार्य को जल्द पूरा करने का निर्देश

एजेंसी

**पटना।** मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना स्थित जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निमार्णाधीन टर्मिनल का निरीक्षण किया। साथ ही अधिकारियों को बचे हुये कार्य को जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने हवाई अड्डे के विस्तारीकरण कार्य की विस्तृत जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के समीक्षा कक्ष में विस्तारीकरण



कार्य से संबंधित एक समीक्षा बैठक हुयी। समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री को एयरपोर्ट के विस्तारीकरण के मास्टर प्लान की विस्तृत जानकारी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से एयरपोर्ट के अधिकारियों ने दी। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि पटना एयरपोर्ट पर और बेहतर सुविधाओं के लिए विस्तारीकरण के तहत जो भी जरूरी कार्य हैं वो किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पटना एयरपोर्ट पर हवाई जहाजों के सुचारु आवागमन को लेकर विस्तारीकरण कार्य जल्द पूरा करें। राज्य सरकार से जो भी मदद की जरूरत होगी उसे पूरा किया जायेगा। हवाई अड्डा परिसर में मुख्यमंत्री ने कहा कि पानी निकासी की बेहतर व्यवस्था करें और हवाई अड्डा से कनेक्टिविटी को बेहतर बनायें ताकि कम से कम समय में लोग यहां पहुंच सकें।

## मुजफ्फरपुर में नाव पलटने से दो लोगों की मौत

एजेंसी

**पटना।** बिहार में मुजफ्फरपुर जिले के कांटी थाना क्षेत्र अन्तर्गत कलवारी गांव में गंडक नदी में नाव पलटने से बुधवार को दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चार को स्थानीय लोगों ने बचा लिया। इस घटना की सुचना नजदीकी थाने की पुलिस को दे दी गई है। पुलिस के मुताबिक मुजफ्फरपुर जिले के कांटी थाना क्षेत्र के कलवारी गांव में लगभग आधा दर्जन लोग एक नाव पर सवार होकर जमीन मापी के लिए बूढ़ी गंडक नदी को पार कर रहें थे। इसी दौरान अचानक नाव अनियंत्रित होकर बीच नदी में ही पलट गयी, जिसके बाद नाव पर सवार सभी लोग बूढ़ी गंडक नदी में डूबने लगे। इस हादसे के बाद स्थानीय लोगों के द्वारा चार लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया लेकिन तबतक दो लोगों की पानी में डूबने से मौत हो गई। पानी में डूबने से कलवारी गांव निवासी दो भाइ डॉ अदित्य कुमार चौधरी और पूर्व सैनिक विद्यानंद चौधरी की मौत हो गई है। इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। इस घटना के बाद परिजनों के बीच चीख पुकार मच गई। घटना को लेकर बिहार सरकार के पूर्व मंत्री अजीत कुमार ने जिला प्रशासन से मांग की है कि पीड़ितों को तत्काल सरकारी सहायता दी जाए। उन्होंने कहा कि कांटी थाना क्षेत्र के कालबारी क्षेत्र के लगभग आधा दर्जन लोग एक नाव पर सवार होकर जमीन मापी के लिए बूढ़ी गंडक नदी को पार कर रहें थे।

## अगर आग लगती है या बाढ़ आती है, तो आपको हमेशा पुलिस मिलेगी: मधुसूदन घोष

संवाददाता

**कोलकाता।** आरजी कर अस्पताल में हुई नृशंस घटना के बाद पुलिसकर्मियों के एक समूह पर हमले हो रहे हैं। जिसके पीछे ज्यादातर सोशल मीडिया पर फर्जी खबरें हैं। यहां तक कि अगर घर में आग लग गई है, तो भी हम वहां हैं। यहां तक कि अगर इलाके में बाढ़ भी आई है, तो हम वहां हैं। खतरे के मामले में आप हमें हमेशा अपने साथ पाएंगे। फर्जी खबरों के जाल में न पड़ें। सोशल मीडिया पर ईमानदारी की जाँच करें₹। जी हां, मंगलकोट थाने के आईसी मधुसूदन घोष ने पुलिस दिवस पर यह बात कही। पूर्वी बर्दवान जिले के मंगलकोट थाने की पुलिस ने रविवार शाम पुलिस दिवस के अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। आरजी कर घटना के बाद राजनीतिक संघर्ष में निहित स्वार्थों का एक समूह सीधे तौर पर पुलिस पर हमला कर रहा है। जानकार हलकों का मानना है कि पुलिस की समग्र परोपकारी भूमिका खतरे में पड़ती जा रही है। पुलिस सिर्फ



समाज को अपराधियों से बचाने तक ही सीमित नहीं रहती। समाज के गठन से लेकर समाज के अन्य वर्ग के लोगों के साथ खड़े होने के लिए संकल्पित है। ऐसे में शाम की घटना में मंगलकोट पुलिस स्टेशन पर पुलिस का ध्यान गया।

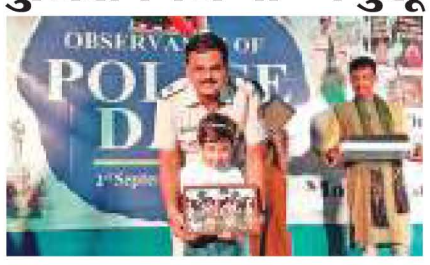

मंगलकोट पुलिस स्टेशन के आईसी मधुसूदन घोष द्वारा आयोजित, पुलिस दिवस कार्यक्रम सांस्कृतिक भावना के साथ देशभक्ति गीतों, नृत्यों, गायन और नाटकों के माध्यम से सफल रहा। इस मौके पर मुख्य अतिथि कटवा एसडीपीओ काशीनाथ मिस्त्री थे। कटवा एसडीपीओ और मंगलकोट आईसी ने थाने के अन्य अधिकारियों को उनके काम की सफलता की सराहना करते हुए स्मारक पत्र सौंपे। मंगलकोट थाने की पुलिस ने बच्चों का हौसला बढ़ाने के लिए स्मारक पत्र सौंपा। मंगलकोट थाने के आईसी मधुसूदन घोष ने कहा, "सामाजिक बीमारी को सामाजिक तरीके से खत्म करना होगा। सोशल मीडिया पर झूठे प्रलोभन से बचें, सही को चुनें। पुलिस की नौकरी आपके लिए है। आप सभी स्वस्थ रह सकें और शांति एवं व्यवस्था से रह सकें, इसके लिए हम जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मैं कानून का पालन करने के साथ-साथ आपकी भलाई के लिए दोनों हाथ फैलाकर खड़ा हूं।' पता चला है कि हाल ही में मंगलकोट थाने की पुलिस ने एमएसडीपी ब्लॉक मंगलकोट में पवित्र ईद से पहले दो सौ भिखारियों को नये कपड़े बांटने का कार्यक्रम लिया था। इसके अलावा तेज जलन के दौरान यात्रियों और वाहन चालकों के लिए पानी की छतरियों की व्यवस्था की जाती है।

### भूमि सुधार उप समाहर्ता को निगरानी विभाग ने किया गिरफ्तार

## डीसीएलआर कार्यालय में निगरानी विभाग की टीम ने आठ घंटे तक की छापेमारी

संवाददाता

**महाराजगंज।** महाराजगंज अनुमंडल में पदस्थापित भूमि सुधार उप समाहर्ता राम रंजन सिंह को मंगलवार देर रात्रि उनके आवास से लिपिक संतोष कुमार के साथ निगरानी विभाग की टीम ने रिश्वत लेने के मामले में गिरफ्तार कर लिया। पटना के निगरानी विभाग की टीम ने महाराजगंज के भूमि सुधार उपसमाहर्ता राम रंजन सिंह की नई बस्ती स्थित उनके आवास पर मंगलवार की रात छापेमारी की। बता दें कि भूमि सुधार उपसमाहर्ता राम रंजन सिंह व लिपिक संतोष कुमार राजेन्द्र चौक पर सुबोध कुमार सिंह से रिश्वत के रुपए लिए। तब तक पहले से जाल बिछाए निगरानी विभाग की टीम ने दबोच लिया। जहां से सीधे डीसीएलआर को उनके आवास लेकर गई। निगरानी विभाग की टीम लिपिक को भी उनके आवास पर लेकर कर गई और



डीसीएलआर को गिरफ्तार कर अनुमंडल कार्यालय लेकर आई और पुनः वहां से डीसीएलआर को उनके आवास पर ले गई और आवास से आने के बाद 8 घंटे तक लगातार कार्यालय में निगरानी विभाग की टीम ने कागजातों को खंगाला। वहां से जरूरी कागजात को जप्त कर पटना चली गई। बता दें कि बसंतपुर थाना क्षेत्र के सुबोध कुमार सिंह ने अपने जमीन के म्यूटेशन के लिए सारे डाक्यूमेंट्स डीसीएलआर के कार्यालय को दिए थे। इस मामले में सुबोध सिंह के नाम से म्यूटेशन करने के लिए रुपए की मांग डीसीएलआर के लिपिक संतोष कुमार की ओर से होने लगी थी। इसकी शिकायत सुबोध कुमार सिंह ने निगरानी विभाग से की थी। निगरानी विभाग ने 8 घंटे से ज्यादा छापेमारी करने के बाद बुधवार को सुबह 3:10 बजें डीसीएलआर राम रंजय सिंह और लिपिक संतोष कुमार को गिरफ्तार कर पटना ले गई। इस घटना के बाद राजस्व विभाग में दलाली करने वालों और रिश्वतखोरों में हड़कंप मचा हुआ है। लोगों का कहना है कि ऐसे कई मामले हैं जिसमें जमाबंदी किसी और का और रसीद किसी और का काट दिया गया है।

## फिर सिविक वालंटियर की कुकीर्त्ति इस बार नेता की पत्नी और बेटी से 'छेड़छाड़'

संवाददाता

**कोलकाता।** एक और सिभिक वालंटियर की कुकीर्त्ति। सार्वजनिक कुकीर्त्ति। फिर लगे छेड़छाड़ के आरोप। वित्तीय धोखाधड़ी के साथ। प्रताड़ना की शिकार पीड़िता उत्तर दिनाजपुर के प्रभावशाली नेता की पत्नी और उनकी नाबालिग बेटी है। आरजी कर मामले में पकड़ा गया एकमात्र व्यक्ति संजय रॉय कोलकाता पुलिस का सिविक वालंटियर था। अब जिले में एक सिभिक वालंटियर का 'रोमांच' सामने आया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, शेख नजबुल हक 2014 में सिविक वालंटियर के रूप में इस्लामपुर पुलिस स्टेशन में शामिल हुए थे। बिगत दस दिन पहले स्थानीय सुजाली इलाके के एक प्रभावशाली नेता की पत्नी और नाबालिग बेटी से छेड़छाड़ की थी। सिविक वालंटियर पर आरोप



है कि महिला की सामाजिक प्रतिष्ठा खत्म करने की धमकी देकर उससे कई लाख रुपये भी ठगे गए। हालांकि, घटना के बाद से कुछ दिनों तक आरोपी सिभिक वालंटियर अपने सुजाली गांव में नजर नहीं आया। सोमवार को दर्ज शिकायत के आधार पर आखिरकार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि, इतना समय बीत जाने के बाद अचानक थाने में शिकायत क्यों की गयी, इस पर जांच कर रहे पुलिस सूत्रों ने बताया कि उन मामलों की गहनता से जांच की जायेगी।

इस्लामपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डेंडुप शेरपा ने मंगलवार को कहा, "एक महिला ने सोमवार रात इस्लामपुर पुलिस स्टेशन में एक सिभिक वालंटियर के खिलाफ छेड़छाड़ की शिकायत की। उनकी नाबालिग बेटी के साथ भी कथित तौर पर छेड़छाड़ की गई। सिभिक वालंटियर को गिरफ्तार कर लिया गया है और घटना की जांच शुरू हो गई है।₹ जब आरोपी को अदालत में पेश किया गया तो न्यायाधीश ने उसे तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेजने का आदेश दिया।

इस्लामपुर अदालत के सरकारी वकील मोख्तार अहमद ने कहा, "पुलिस ने आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़ और धमकी देकर करीब तीन लाख रुपये वसूलने का मामला दर्ज किया और उसे इस्लामपुर उपमंडल की विशेष अदालत में ले आई।" अदालत ने आरोपी को तीन दिन की पुलिस हिरासत में रखने का आदेश दिया।

## रेलवे आवास में बदमाशों का तांडव, धारदार हथियार दिखा कर की लूटपाट

संवाददाता

**कोलकाता।** आसनसोल में बदमाशों ने रेलवे आवास पर हमला किया। बदमाशों के एक समूह ने बंदूक की नोक पर रेलवे कर्मचारियों की अनुपस्थिति में रेलवे आवास में लूटपाट की। इस घटना से इलाके में व्यापक दहशत फैल गई। घटना बुधवार भोर के समय आसनसोल दक्षिण थाना अंतर्गत दोमोहनी रेलवे कॉलोनी में हुई। रेलकर्मी भूपेन्द्र कुमार की पत्नी श्वेता सिंह ने बताया कि वह अपने दो बेटों के साथ घर में सोये थे। बदमाशों ने रेलवे आवास के मुख्य दरवाजे का ताला तोड़ दिया और अंदर घुस गए। शोर सुनकर उठ जाने के बाद मुंह पर कपड़ा बांधे दो बदमाशों ने उन्हें चुपचाप लेटे रहने को कहा। श्वेता ने दावा किया कि इसके बाद उन्होंने अलमारी का ताला तोड़ दिया और सोने, चांदी के आभूषण और नकदी सहित लगभग 10 लाख की संपत्ति चोरी कर ली। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने के बाद आसनसोल साउथ थाने की पुलिस ने जांच शुरू की। श्वेता सिंह ने बताया कि उनके पति भूपेन्द्र कुमार जरूरी काम से गांव गये हैं। उस मौके पर अकेले होने के कारण उन्होंने महिला और उसके दोनों बेटों को डरा दिया और खुलेआम लूटपाट की। उन्होंने कहा कि चूंकि रेलवे ने दरवाजे-खिड़कियों की मरम्मत नहीं करायी, इसलिए बदमाशों ने उस मौके पर खुलकर लूटपाट की।

## शहर के पांच सितारा होटल में दो बहनों से छेड़छाड, दो गिरफ्तार

**कोलकाता।** आरजी कर मामले को लेकर पूरे राज्य में हंगामा मचा हुआ है। शहर भर में मार्च, महिलाओं की सुरक्षा की मांग दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। इन सबके बीच एक बार फिर छेड़छाड़ के आरोप लगे हैं। कथित तौर पर शहर के एक पांच सितारा होटल में दो बहनों के साथ छेड़छाड़ की गई। सूत्रों के मुताबिक इस घटना में पुलिस पहले ही दो लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। सूत्रों के मुताबिक घटना 2 सितम्बर की है। शहर के इसी नाम के होटल में जन्मदिन की पार्टी चल रही थी। वही पे बिपत्ति। आरोप है कि दो बहनों से छेड़छाड़ की गई और धमकी दी गई। दोनों बहनों में से एक संगीतकार के रूप में भी जानी जाती है।

इस घटना की शिकायत प्रगति मैदान थाने में दर्ज करायी गयी। बताया जा रहा है कि शिकायत मिलने के बाद पुलिस दो लोगों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

**मांग** महिला पर्यवेक्षक के 29 रिक्त पदों के लिए संविदा पर बहाली के लिए काउंसलिंग कराया गया

# नियुक्ति को लेकर 7-7 लाख रिश्वत की मांग से परेशान अभिभावक

एजेंसी

**नवादा ।** नवादा जिला बाल विकास परियोजना में महिला पर्यवेक्षकों के 29 सीट के लिए होने वाले नियुक्ति की काउंसलिंग के बाद अभिभावकों को नवादा समाहरणालय स्थित आईसीडीएस के जिला प्रोग्राम कार्यालय में बुलाकर कर्मचारी रुचि कुमारी ने 7-7 लाख रुपये नजराना की मांग की। इस मामले में डीएम से लेकर कई अधिकारियों के हिस्सेदारी की भी बात रुचि ने अधिवक्ता को बताई। जिससे विफरे अभिभावकों ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को त्राहिमाम संदेश भेजकर भ्रष्टाचार में डूबे जिला प्रशासन के पदाधिकारी तथा कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

जिलाधिकारी आशुतोष कुमार वर्मा को भी सूचना दी गई, पर वे भी इस कदर के भ्रष्ट कारनामों पर चुपी साधे हुए हैं। उनकी चुप्पी से जिले में भ्रष्टाचारियों का मनोबल काफी बढ़ गया है। जिलाधिकारी की चुप्पी इस भ्रष्टाचार के मामले में कुछ और ही बयां कर रही है। इस संबंध में डीएम से व्हाट्सएप पर मैसेज कर जब पूछा गया तो वे चुप्पी साधे रहे।

भ्रष्टाचार में आकण्ठ डूबा नवादा जिला प्रशासन के अधिकारियों के रवैये से जिले वासी घुट- घुटकर जीवन जी रहे हैं। रिश्वत की मांग करने वाले कर्मचारी ने इसमें डीएम की भी हिस्सेदारी होने की बात कहते हुए मोटी रकम के लिए अभ्यर्थियों के अभिभावकों पर दबाव बना रखा है। नवादा नगर के गोला रोड के निवासी वरिष्ठ अधिवक्ता राजकुमार ने बताया कि उनकी पुत्री का भी काउंसलिंग कराया गया है । उसके बाद हस्ताक्षर छूट जाने का बहाना बनाकर कार्यालय बुलाया गया। साथ में अभिभावक को ही बुलाया गया था । राजकुमार ने बुधवार को बताया कि वे समाहरणालय अवस्थित आईसीडीएस के प्रोग्राम कार्यालय अपनी बच्ची के साथ गए ,तो कार्यालय में बैठे कर्मचारी रुचि कुमारी ने स्पष्ट तौर पर कहा कि नियुक्ति के लिए 7 लाख रुपए देने होंगे । चयनित होने वाले सभी अभ्यर्थियों से 7 लाख लेने का निर्धारित किया गया है। रुचि ने यह भी कहा कि इसमें डीएम सर की भी हिस्सेदारी होगी। रिश्वत के इस डिमांड से विचलित अधिवक्ता राजकुमार ने बताया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ ही कई वरिष्ठ अधिकारियों को त्राहिमाम संदेश भेजकर रुचि कुमारी के साथही कार्यालय में पदस्थापित अन्य कर्मचारियों तथा अभ्यर्थियों के मोबाइल का कॉल डिटेल्स निकलवा कर जांच करने की मांग की है । उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले में रिश्वतखोरी वरिष्ठ अधिकारियों की मिलीभगत से की जा रही है। जिले के पदाधिकारी सहित रिश्वत मांगने वाले कर्मचारियों का पॉलीग्राफिक टेस्ट कराई जाए ,तो निश्चित तौर पर सारे लोग इस प्रमाणिक रिश्वतखोरी के मामले में जेल की हवा खाएंगे । राजकुमार ने बताया कि महिला पर्यवेक्षक के 29 रिक्त पदों के लिए संविदा पर बहाली के लिए काउंसलिंग कराया गया है । काउंसलिंग में जिसका नंबर होने लायक है ।उन्ही अभ्यर्थियों के परिजनों से रिश्वत की मांग की जा रही है ।जो एक गंभीर विषय है ।उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इसकी सूचना डीएम सहित सभी अधिकारियों को दी गई। लेकिन सारे लोग चुप्पी साधे हुए हैं, जिससे मामला स्पष्ट है कि इस रिश्वतखोरी में अधिकारियों का भी हाथ है। वरिष्ठ अधिवक्ता राजकुमार ने कहा कि अगर इस मामले में सही तरीके से आईसीडीएस कर्मियों तथा जिला प्रशासन के अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं की गई तो इस मामले को पटना उच्च न्यायालय में ले जाएंगे तथा निश्चित तौर पर रिश्वतखोरी में शामिल अधिकारियों तथा कर्मचारी का पॉलीग्राफ टेस्ट कराने की मांग करेंगे। ताकि सच्चाई सामने आ सके। उन्होंने यह भी कहा कि इसके पूर्व में कर्मचारियों के स्थानांतरण में भी बड़े पैमाने पर रिश्वतखोरी की गई थी।

## खगड़िया से सांसद राजेश वर्मा को धमकी देने वाला बिट्टू कुमार गिरफ्तार

एजेंसी

**पटना।** बिहार में खगड़िया लोकसभा सीट से लोजपा ( आर ) के सांसद सांसद राजेश वर्मा के निजी मोबाइल पर कॉल कर जान से मारने की धमकी दिए जाने के मामले में संलिप्त अभियुक्त बिट्टू कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया। पटना पुलिस मुख्यालय द्वारा बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक खगड़िया सांसद राजेश वर्मा के निजी मोबाईल पर कॉल कर जान से मारने की धमकी दिए जाने के मामले में उनके निजी सचिव विकास कुमार नयाटोला बलुआही, थाना-जिला-खगड़िया ने बीते 28 अगस्त को लिखित आवेदन खगड़िया साईबर थाना में दिया था। मामले के संज्ञान में आने के पश्चात पुलिस अधीक्षक, खगड़िया के द्वारा घटना में संलिप्त अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। दिशा-निर्देश के अनुपालन के क्रम में तकनीकी एवं वैज्ञानिक अनुसंधान के आधार पर खगड़िया साईबर थाना पुलिस एवं डीआईयू, खगड़िया के संयुक्त कार्रवाई के द्वारा घटना में प्रयुक्त मोबाईल को बरामद करते हुए अभियुक्त बिट्टू कुमार को बुधवार को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ के क्रम में गिरफ्तार अभियुक्त के द्वारा बताया गया कि घटना के वक्त वह नोएडा, उत्तर प्रदेश में था, एवं इनके द्वारा नशे के हालत में कॉल किया गया था। सभी पहलुओं पर अग्रत्तर अनुसंधान जारी है। गिरफ्तार अभियुक्त का बिट्टू कुमार पे.-सिकन्दर यादव, थाना-अलौली, जिला-खगड़िया का निवासी है।

## संक्षिप्त खबरें

### 69 हजार शिक्षक भर्ती: अभ्यर्थियों ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का आवास घेरा

**लखनऊ।** हाई कोर्ट डबल बेंच का आदेश आने के बाद से लगातार 69 हजार शिक्षक भर्ती के अंतर्गत नियुक्ति की मांग को लेकर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी आंदोलनरत हैं। यह सभी अभ्यर्थी लगातार एक के बाद एक मंत्री, नेता के आवसों का घेराव कर रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी के आवास का घेराव किया। यहां बड़ी संख्या में पहुंचे अभ्यार्थी जोरदार नारेबाजी करते हुए हाई कोर्ट डबल बेंच के फैसले का पालन करने व नियुक्ति दिए जाने की मांग की। आंदोलन व धरना प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे अमरेंद्र पटेल ने कहा कि हम ओबीसी और एससी वर्ग के नेताओं और मंत्रियों के आवास का घेराव इसलिए भी कर रहे हैं कि वह मुख्यमंत्री से मुलाकात कर इस मामले का जल्द से जल्द समाधान कराये।

### पुलिस मुठभेड़ में तीन शातिर गोकश गिरफ्तार

**बुलंदशहर।** जनपद में चेकिंग के दौरान मंगलवार की देर रात को पुलिस मुठभेड़ में तीन शातिर गोकश गिरफ्तार किये गए हैं। घायलों को इलाज के लिए पुलिस अभिरक्षा में अस्पताल भेजा गया है। पुलिस अधीक्षक देहात रोहित मिश्र ने बुधवार को बताया कि अरनिया थाना पुलिस मंगलवार की रात ग्राम नायसर के पास चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मोटर साइकिल पर सवार तीन व्यक्तियों को देखा तो रोकने का प्रयास किया। तीनों मोटर साइकिल ब्रजभाग बम्बा पुलिया की तरफ भागने लगे।

### सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत

**लखीमपुर खीरी।** जनपद की धौरहरा कोतवाली क्षेत्र में बुधवार भोर पहर डीसीएम और ट्रक में आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में ट्रक और डीसीएम के चालकों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। ट्रक में सवार एक अन्य घायल है। धौरहरा कफारा मार्ग पर टापरपुरवा-अमेठी गांव के पास एक ट्रक सामने से आ रही लकड़ी भरे डीसीएम से भिड़न्त हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गये। सड़क हादसे में जम्हौरा निवासी डीसीएम चालक सकटू (35), मिश्री लाल (55) और एक ट्रक के चालक की मौके पर मौत हो गई। ट्रक में सवार एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे धौरहरा सीएचसी भेजा गया है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम भेजकर तीसरे व्यक्ति की पहचान करने में जुट गई है।

### आसन बैराज से अज्ञात शव बरामद

**देहरादून।** एसडीआरएफ ने बुधवार को पुलिस चौकी कुल्हाल क्षेत्रांतर्गत आसन बैराज से एक अज्ञात शव बरामद किया। वहीं शक्ति नहर में कूदे युवक की तलाश में भी एसडीआरएफ टीम जुटी हुई है। बुधवार सुबह पुलिस चौकी कुल्हाल से एसडीआरएफ को सूचना मिली कि आसन बैराज में एक शव दिखाई दे रहा है। सूचना मिलते ही डाकपत्थर पोस्ट से एसडीआरएफ रेस्क्यू टीम अपर उप निरीक्षक सुरेश तोमर के नेतृत्व में तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई। मौके पर पहुंची एसडीआरएफ टीम ने रेस्क्यू कर आसन बैराज से एक अज्ञात शव निकाला और पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

### पुलिस कांस्टेबल रिश्वत लेते गिरफ्तार

**जयपुर।** भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की जयपुर नगर-चतुर्थ टीम ने कार्रवाई करते हुए जयपुर पुलिस कमिश्नरेट में स्थित मुहाना थाने में तैनात पुलिस कांस्टेबल वीपी सिंह को परिवादी से पांच हजार रुपये की रिश्वत राशि लेते गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक डॉ.रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी की जयपुर नगर-चतुर्थ टीम को परिवादी ने शिकायत दी कि उसके विरूद्ध दर्ज परिवाद में समझौता कराने एवं उनके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं करने की एवज में मुहाना थाने में तैनात पुलिस कांस्टेबल वीपी सिंह पांच हजार रुपये की रिश्वत की मांग कर रहा है। एसीबी की जयपुर नगर-चतुर्थ टीम के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बलराम मीणा के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन कर ट्रेप की कार्रवाई करते हुए पुलिस कांस्टेबल वीपी सिंह को पांच हजार रुपये की रिश्वत राशि लेते गिरफ्तार किया है।

### हथियार के साथ दो युवक गिरफ्तार

**फतेहाबाद।** विधानसभा चुनाव को लेकर जिला पुलिस सतर्क है। सीआईए टोहाना पुलिस ने हथियारों सहित टोहाना से दो युवकों को गिरफ्तार किया है। दोनों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। दोनों को कोर्ट में पेश किया जाएगा। सीआईए टोहाना पुलिस की टीम एसआई जग्गा सिंह के नेतृत्व में पुलिस गश्त के दौरान भाखड़ा नहर की पटरी से चण्डीगढ़ रोड टोहाना की तरफ जा रही थी। भाखड़ा नहर की पटरी पर पुलिस की गाड़ी देखकर दो युवक घबरा गए और भागने की कोशिश करने लगे। पुलिस ने शक के आधार पर पीछा कर दोनों युवकों को पकड़ लिया और शामलो कलां निवासी रोमियो के पास से एक नाजायज देसी कट्टा 315 बोर व 2 जिंदा कारतूस तथा जींद के गांव शामलो कलां निवासी मोहित के पास से एक रिवाल्वर 32 बोर, एक नाजायज देसी कट्टा 315 बोर बरामद हुआ।

### मुख्यमंत्री ने पुलिस मुख्यालय का किया औचक निरीक्षण, बोले

# देवभूमि का मूल स्वरूप किसी भी कीमत पर बिगड़ना नहीं चाहिए

● पुलिस व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए पुलिस अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए

**देहरादून। एजेंसी**

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को पुलिस मुख्यालय का औचक निरीक्षण किया और पुलिस व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए पुलिस अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए।

उन्होंने जरुरतमंद लोगों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि देवभूमि के मूलस्वरूप को किसी भी हालत में बिगड़ने नहीं दिया जाएगा। पुलिस अवांछित तत्वों से सख्ती से निपटे। इस दौरान मुख्यमंत्री धामी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पुलिस मुख्यालय से पुलिस व्यवस्था चलती है। इसी को देखते हुए आज पुलिस अधिकारियों से बातचीत की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य में महिला अपराध कम हो, कानून व्यवस्था बेहतर और अच्छी हो, जरुरतमंद लोगों को तत्काल पुलिस की सहायता मिलने के साथ ही डेमोग्राफी चेंज, धर्मांतरण, लव जेहाद के प्रकरणों पर त्वरित गति से कार्रवाई को लेकर चर्चा हुई है। यातायात की समस्या कैसे कम किया जाए इस पर भी बातचीत हुई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कहा कि आने वाले समय में पुलिस और अच्छे से तरीके से काम करेगी। पुलिस के रहने के लिए आवास बने और समय-समय पर अच्छी प्रशिक्षण उन्हें मिले इस पर काम किया जा रहा है। अधिकारी जहां से प्रशिक्षण लिये हैं, उन थानों को जाकर देखें अब तक वहां कितना परिवर्तन हुआ है और आगे क्या सहयोग किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यातायात की समस्या कैसे कम किया जाए इस पर बातचीत हुई। सीमावर्ती इलाकों में पुलिस को और गश्त बढ़ाने को कहा गया है।

#### व्यवस्था पटरी पर आने तक होगी कार्रवाई

मुख्यमंत्री ने अपराध कंट्रोल पर कहा कि शिकायत मिलने पर तुरंत कार्रवाई की जाती है। जब तब व्यवस्था पटरी पर नहीं आती, तब तक कार्रवाई होती रहेगी। उन्होंने कहा कि राज्य में ऐसी कोई घटना न हो, ऐसा प्रयास रहता है। अगर होता है तो इस पर सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर डीजीपी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। दरअसल, महिलाओं और बेटियों के साथ हो रही घटनाओं को लेकर मुख्यमंत्री धामी ने सख्त रुख अख्तियार किया है। इस संबंध में पुलिस और उच्चधिकारी के साथ पहले ही बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए हैं।

## हाजी मोहम्मद सलीम की पुलिस हिरासत में तबीयत बिगड़ी

**ढाका। एजेंसी**

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के पूर्व सांसद हाजी मोहम्मद सलीम को आज सुबह ढाका मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट एमडी अख्तरुज्जमां की अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया। आइडियल कॉलेज के छात्र खालिद हसन सैफुल्लाह की हत्या के आरोप में पुलिस ने उन्हें सोमवार तड़के राजधानी के बंगशाल इलाके से गिरफ्तार किया था। इसके बाद पुलिस ने उन्हें ढाका मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट एमडी अख्तरुज्जमां की अदालत में पेशकर 10 दिन का रिमांड मांगा। अदालत ने उन्हें पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेजा। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस रिमांड के दौरान हाजी बीमार पड़ गए। अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्हें तड़के अदालत ले जाया गया। अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। इसके बाद हाजी को ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल में परीक्षण कराने के बाद जेल भेज दिया गया। जांच अधिकारी ने कहा है कि हाजी सलीम ने पूछताछ के दौरान महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। बिगड़ते स्वास्थ्य के कारण पूछताछ जारी रखना मुश्किल हो गया। अधिकारी ने अदालत से अनुरोध किया कि हाजी सलीम को जेल में रखा जाए।

अदालत ने उनके आग्रह को मंजूर करते हुए हाजी को न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। अभियोजन पक्ष का कहना है कि 18 जुलाई को भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के दौरान आइडियल कॉलेज के प्रथम वर्ष के छात्र खालिद हसन सैफुल्लाह को लालबाग में गोली मार दी गई थी।

## ब्रिटेन में ब्राउनस्टोन टाउन के पार्क में बुजुर्ग भारतवंशी पर हमला,मौत

**लंदन। एजेंसी**

ब्रिटेन में लीसेस्टर के पास ब्राउनस्टोन टाउन के फ्रैंकलीन पार्क में भारतवंशी भीम सेन कोहली रविवार को हुए हमले में घायल हो गए। बागवानी से जुड़े 80 वर्षीय कोहली पार्क में अपने पालतू डॉग रॉकी को घुमा रहे थे। हमले में घायल कोहली ने सोमवार को दम तोड़ दिया। सूचना मिलने के बाद इस घटना के सिलसिले में पुलिस ने मंगलवार को पांच नाबालिगों को गिरफ्तार किया। इनमें से चार को छोड़ दिया गया। एक आरोपित पुलिस हिरासत में है।

लंदन से छपने वाले अखबार द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार भारतवंशी बुजुर्ग कोहली ने इससे कुछ दिन पहले पार्क में असामाजिक तत्वों के एकत्र होने की पुलिस से शिकायत की थी। इन लोगों ने उन पर थूकने के साथ पत्थर फेंके थे। मूल रूप से भारत में पंजाब के रहने वाले कोहली पर रविवार शाम लगभग 6:30 बजे हमला करने के बाद रीढ़ की हड्डी में लात मारी गई। स्थानीय पुलिस ने उनकी हत्या के संदेह में 14 साल के एक लड़के और एक लड़की और 12 साल के एक लड़के और दो लड़कियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने 14 वर्षीय लड़के को छोड़कर बाकी सभी को बिना कोई कार्रवाई किए जमानत दे दी । वह हिरासत में है। द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार, तीन बच्चों के पिता और कुशल माली कोहली ने युवाओं के एक समूह के खिलाफ असामाजिक व्यवहार की शिकायत की थी।

## शिमला : शिक्षक ने नाबालिग छात्रा से की छेड़खानी, एफआईआर

**शिमला।** शिमला जिला के ठियोग उमण्डल के एक सरकारी स्कूल में गुरू-शिष्य के पवित्र रिश्ते को शर्मसार करने का मामला सामने आया है। सरकारी स्कूल के शिक्षक ने स्कूल परिसर में एक नाबालिग छात्रा के साथ छेड़खानी व अश्लील हरकतें कीं। शिक्षक पर पीड़ित छात्रा को व्हाट्सअप पर गंदे मेसेज भेजने का भी आरोप है। छात्रा की आपबीती सुनने के बाद उसके परिजनों ने मामले की लिखित शिकायत पुलिस को दी। जिस पर आरोपित शिक्षक के विरुद्ध छेड़छाड़, यौन उत्पीड व पोक्सो की धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया है। आरोपित शिक्षक को गिरफ़्तार करने की तैयारी है। वहीं आरोपित पर निलंबन की भी तलवार लटक गई है। मामले के अनुसार 16 साल की पीड़ित छात्रा सरकारी स्कूल में 11वीं कक्षा में पढ़ती है। पुलिस में दर्ज शिकायत के मुताबिक स्कूल का एक शिक्षक पीड़ित छात्रा को अध्यापन के दौरान विद्यालय परिसर में ही अपने कैबिन ले गया। इसके बाद छात्रा के साथ अश्लील हरकत कर उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा।

## पाक में शांतिपूर्ण सभा और सार्वजनिक व्यवस्था विधेयक 2024 को मंजूरी

**इस्लामाबाद। एजेंसी**

पाकिस्तान में आंतरिक मामलों पर सीनेट की स्थायी समिति ने मंगलवार को 'शांतिपूर्ण सभा और सार्वजनिक व्यवस्था विधेयक 2024' को मंजूरी प्रदान कर दी। यह विधेयक शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन और सभा आयोजित करने पर देश में पहला कानून बनाने में मदद करेगा। अध्यक्ष सीनेटर फैसल सलीम रहमान और पीटीआई से संबंधित सीनेटर सैफुल्लाह अब्रो ने इसका विरोध किया। द डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, विधेयक को सीनेटर सलीम मांडवीवाला, समीना मुमताज जहरी, इरफानुल हक सिद्दीकी, सैयद फैसल अली सब्जवारी और उमर फारूक ने पेश किया। प्रस्तावकों ने कहा है कि विधेयक का उद्देश्य इस्लामाबाद क्षेत्र में शांतिपूर्ण सभाओं को विनियमित करना है, जुलूसों ने नागरिकों के जीवन को दयनीय बना दिया है। यह विधेयक राजनीतिक और गैर-राजनीतिक सभाएं आयोजित करने की अनुमति देने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करेगा। सभाओं के लिए विशिष्ट स्थान निर्धारित करेगा। अवैध सभाओं के लिए दंड का भी उल्लेख करेगा।

स्थायी समिति को आंतरिक सचिव और इस्लामाबाद के मुख्य आयुक्त मोहम्मद अली रंधावा सहित अन्य अधिकारियों ने सूचित किया कि वर्तमान में सार्वजनिक रैलियों और सभाओं के आयोजन के लिए प्रशासन एनओसी प्रदान करता है। इस्लामाबाद में सभाओं के लिए कोई विशिष्ट स्थान नहीं है और अनियंत्रित विरोध प्रदर्शन और धरने निवासियों के लिए गंभीर समस्याएं पैदा कर रहे हैं। हम इस्लामाबाद के बाहरी इलाके में एक निर्दिष्ट स्थान निर्धारित करना चाहते हैं और सर्वसम्मति के बाद यह नोट किया गया कि ऐसी जगह संघीय राजधानी के प्रवेश बिंदुओं पर होगी। कानून प्रभाग के एक अधिकारी ने कहा कि इस्लामाबाद में शांतिपूर्ण सभा के संबंध में कोई कानून नहीं है।

## अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करती हैं प्रेरणा : डॉ. गिरजेश कैन

**मुरादाबाद। एजेंसी**

मुरादाबाद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मुरादाबाद में बुधवार को नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मोटिवेशनल स्पीकर के रूप में ओरेकल आई हॉस्पिटल के निदेशक प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ गिरजेश कैन ने अपने अनुभव छात्र-छात्राओं से साझा किए।

डॉ. गिरजेश कैन ने अपने अनुभव को साझा करते हुए अपने सत्र की शुरूआत प्रेरणा के महत्व के साथ की। प्रेरणा महत्वपूर्ण है क्योंकि यह व्यक्तियों को अपने लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रेरित करती है, चुनौतियों पर काबू पाती है और फोकस और दृढ़ संकल्प बनाए रखती है। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रेरणा महत्वाकांक्षा को आगे बढ़ाने, प्रगति सुनिश्चित करने के लिए ऊर्जा और दृढ़ता प्रदान करती है, इसलिए हमें जीवन में प्रेरणा का पालन करना होगा। उन्होंने छात्रों को अपने लक्ष्य निर्धारित करने की सलाह दी क्योंकि लक्ष्य प्रगति और उपलब्धियों का आकलन करने के लिए मानक प्रदान करते हैं।

उन्होंने सुझाव दिया कि छात्रों को हमेशा सकारात्मक रहना चाहिए क्योंकि हमारे विचार हमारे जीवन को दशार्ते हैं। डा. कैन ने बताया कि सकारात्मकता स्वस्थ बातचीत को बढ़ावा देती है और हमारे कार्यों को मजबूत करती हैं। उन्होंने छात्रों को सूखी आंखों की अवधारणा और इससे खुद को बचाने के बारे में जानकारी प्रदान की । उन्होंने इससे संबंधित सुझाव दिए और साथ ही कुछ आंखों के व्यायाम के बारे में भी बताया। एप्लाइड साइंस एंड ह्यूमैनिटीज विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ मनीष सक्सेना ने कार्यक्रम की उपयोगिता से विद्यार्थियों को अवगत कराया। एमआईटी के डायरेक्टर डॉ रोहित गर्ग ने भी अपने विचार व्यक्त किए तथा विद्यार्थियों को भविष्य की कैरियर संभावनाओं के बारे में बताया।

## भूस्खलन से दो एनएच सहित 116 सड़कें बंद, तीन पुलों को नुकसान

**शिमला। एजेंसी**

हिमाचल प्रदेश में सितंबर महीने में भी मानसून कहर बरपा रहा है। राज्य के विभिन्न हिस्सों में पिछले दो दिनों से हो रही व्यापक वर्षा का सामान्य जनजीवन पर खासा असर देखा गया है। भूस्खलन से कई सड़कों के अवरुद्ध होने और बिजली ट्रांसफार्मरों के खराब होने से परिवहन व जलापूर्ति प्रभावित हुई है। मौसम विभाग ने आज बुधवार को कुछ स्थानों पर भारी वर्षा का येलो अलर्ट जारी किया है। हालांकि वीरवार से भारी बारिश में कमी आने की सम्भावना है। पांच से 10 सितंबर तक प्रदेश में हल्की से मध्यम वर्षा होने के आसार हैं।

सुखद बात यह है कि इस अवधि के दौरान किसी तरह की चेतावनी व अलर्ट जारी नहीं किया गया है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक बुधवार सुबह तक राज्य में भूस्खलन की वजह से दो नेशनल हाइवे और 116 सड़कें बाधित हैं। इसके अलावा तीन पुलों को भी नुकसान पहुंचा है। शिमला जिला में 45, मंडी में 30, सिरमौर में 19, कांगड़ा में 10, कुल्लू में आठ और सोलन में चार सड़कें बंद है। सिरमौर जिला में नेशनल हाइवे-707 हेनधार और किन्नौर जिला में नेशनल हाइवे-पांच निगुलसुरी में बाधित है। लाहौल-स्पीति में चिचोउँग पुल, ऊना जिला में सन्तोषगढ़ सड़क पर रामपुर पुल और कांगड़ा जिला के पालमपुर उपमण्डल में इंदौरा पुल को बारिश व भूस्खलन से क्षति पहुंची है। राज्य में 228 बिजली ट्रांसफार्मर भी ठप पड़े हैं। कुल्लू में 93, मंडी में 75, सोलन में 55 और चम्बा जिला में पांच ट्रांसफार्मरों के खराब होने से बिजली गुल है। भारी वर्षा से तीन जिलों में 11 पेयजल स्कीमें भी बंद हैं।

### पुरानी रंजिश में घर में सो रही मां-बेटी की हत्या

**भरतपुर।** डीग जिले के कामां थाना इलाके के भुड़ाका गांव में कुछ लोगों ने घर में सो रही मां-बेटी की धारदार हथियार से हत्या कर दी। बेटी की मौके पर ही मौत हो गई और महिला ने इलाज के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुरानी रंजिश को लेकर इस दोहरे हत्याकांड को अंजाम दिया गया। फिलहाल दोनों शव अस्पताल की मोर्चरी में रखे हुए हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। पुलिस के अनुसार भौता देवी (35) करीब तीन महीने पहले ही अपने जेठ की हत्या के मामले में जेल से बेल पर बाहर आई थी। वह अपनी बेटी के साथ गांव में रहती थी। भौता देवी के पति का निधन लंबी बीमारी के चलते 2014 में हो गया था। मंगलवार को देर रात भौता देवी और उसकी बेटी नेहा (17) घर में अकेले सो रहे थे। तभी रात करीब 10.30 बजे कुछ लोग भौता देवी के घर में घुसे और लाठी, डंडे और धारदार हथियारों से दोनों पर हमला कर दिया। भौता देवी हमले के दौरान जोरों से चिल्लाई तो, हमलावर उसे घायल हालत में छोड़कर फरार हो गए।

**राजनीति** | योगी आदित्यनाथ ने सपा मुखिया अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा

# सपा मुखिया टीपू सुल्तान बनने का कर रहे प्रयास : योगी

● आदिकाल से सनातन धर्मावलम्बियों के आस्था का केंद्र रहे प्रयागराज में आज पहचान का संकट खड़ा हो गया है

**प्रयागराज। एजेंसी**

फूलपुर पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा मुखिया अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सपा मुखिया टीपू से टीपू सुल्तान बनने का प्रयास कर रहे हैं। जनता उनके कार्यकाल में जंगलराज को भूली नहीं है। सपा ने माफियाराज कायम कर जनता को त्रस्त कर दिया था।

उन्होंने कहा आदिकाल से सनातन धर्मावलम्बियों के आस्था का केंद्र रहे प्रयागराज में आज पहचान का संकट खड़ा हो गया है। बुधवार को फूलपुर इफको पहुंचे सीएम योगी ने भारी भीड़ को सम्बोधित करते हुए कहा कि वह पीडीए के नाम पर जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। सत्ता में आएंगे तो चाचा और भतीजा वसूली में लिप्त हो जाएंगे। अपने शासन काल में टीपू माफिया को गले का हार बनाकर फिरते थे। उन्होंने कहा कि बुलडोजर चलाने के लिए हिम्मत चाहिए। उन्होंने फिर कहा कि माफिया अगर सिर उठाने का दुस्साहस करेगा तो उसको मिट्टी में मिलाने का काम भी सरकार करेगी।

अखिलेश पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा शासन काल में राजू पाल की निर्ममता से हत्या कर दी गई। इससे लोगों की रूह कांप गई थी। सपा की सरकार को माफिया संचालित करते थे। इस अवसर पर जनपद प्रयागराज में 5,000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरण, विद्यार्थियों को स्मार्टफोन-टैबलेट वितरण, विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाभार्थियों को ऋण वितरण व सहायता राशि का अंतरण एवं 407 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण शिलान्यास कार्यक्रम में सीएम योगी ने फूलपुर लोकसभा सीट से प्रवीण सिंह पटेल को सांसद निर्वाचित करने पर क्षेत्र की जनता के प्रति आभार जताया। उन्होंने आश्वासन दिया कि फूलपुर में सर्वांगीण विकास होगा। फूलपुर विधानसभा क्षेत्र के इफको परिसर में आयोजित रोजगार मेले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 15,448 विद्यार्थियों को टैबलेट एवं स्मार्ट फोन वितरित किया। इनमें से 10,647 लाभार्थी फूलपुर विधानसभा क्षेत्र के रहे। इसके अलावा 633.80 करोड़ रुपये की 407 परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण भी किया।

कार्यक्रम के दौरान रोजगार मेले में 50 से अधिक कम्पनियां लगभग 5000 हजार युवाओं को नौकरी देंगी। जिले के कुल 15,448 विद्यार्थियों को टैबलेट-स्मार्ट फोन वितरण, फूलपुर के 10,647 विद्यार्थियों को टैबलेट-स्मार्ट फोन वितरण, 7138 लाभार्थियों के 510.28 करोड़ की ऋण स्वीकृति, जिले में 325.92 करोड़ रुपये की 236 योजनाओं का लोकार्पण, 305.88 करोड़ की 171 परियोजनाओं का शिलान्यास किया।

## निकाय चुनाव के लिए पार्टी कार्यकर्ता रहें तैयार: सूर्यकांत

**देहरादून। एजेंसी**

कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि हार के डर से भाजपा सरकार किसी ना किसी बहाने निकाय चुनाव टालना चाहती है लेकिन हाई कोर्ट के आदेश पर निकाय चुनाव कभी भी हो सकते हैं। इसलिए पार्टी कार्यकताओं को हमेशा तैयार रहना चाहिए। कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना बुधवार को यहां श्रीदेव सुमन नगर में आयोजित पार्टी कार्यकताओं की एक बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कार्यकताओं को निकाय चुनावों के लिए कमर कसने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पिछले तीन कार्यकाल से देहरादून लगातार भाजपा के बहुमत वाला निगम बोर्ड और उनकी पार्टी का मेयर चला आ रहा लेकिन धरातल पर नहीं दिख रहा है। स्मार्ट सिटी के नाम पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करने के बाद भी शहर में सड़कों गलियों नालियों के हाल बेहाल हैं। कुछ घंटों की बारिश से पूरा शहर जलमग्न हो जाता है।

## संक्षिप्त खबरें

### यूएस ओपन: मिश्रित युगल सेमीफाइनल में हारी बोपन्ना-सुत्जियादी की जोड़ी

**न्यूयॉर्क।** स्टार भारतीय टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और उनकी इंडोनेशियाई जोड़ीदार एल्डिला सुत्जियादी को चल रहे यूएस ओपन 2024 टेनिस मिश्रित युगल स्पर्धा के सेमीफाइनल में टेलर टाउनसेंड और डोनाल्ड यंग की अमेरिकी जोड़ी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। मंगलवार को लुइस आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में इंडो-इंडोनेशियाई जोड़ी को अमेरिकी जोड़ी ने 6-3, 6-4 से हरा दिया। मैच 55 मिनट तक चला। अमेरिकियों ने बोपन्ना-सुत्जियादी के खिलाफ मजबूत शुरूआत की और पहले सेट के पहले तीन गेम जीते। इंडो-इंडोनेशियाई जोड़ी ने अपनी लय हासिल की और सेट को 3-3 से बराबर कर दिया। हालांकि, इसके बाद अमेरिकी जोड़ी ने बोपन्ना और उनके जोड़ीदार को कोई मौका नहीं दिया और पहला सेट 6-3 से अपने नाम कर लिया। दूसरा सेट बराबरी से शुरू हुआ, हालांकि इंडो-इंडोनेशियाई जोड़ी पांचवें गेम में लड़खड़ा गई, जिससे एक महत्वपूर्ण ब्रेक प्वाइंट मिल गया। इसके बाद अमेरिकी जोड़ी ने अपने सभी सर्विस गेम बरकरार रखते हुए सेट 6-4 से जीत लिया और फाइनल में जगह बना ली। फाइनल मैच में टाउनसेंड-यंग का मुकाबला इटली की सारा ईरानी और एंड्रिया वावस्सोरी से होगा।

### राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच के रूप में आईपीएल में वापसी करेंगे राहुल द्रविड़

**नई दिल्ली।** राहुल द्रविड़ इस साल जून में 2024 टी20 विश्व कप जीत के बाद भारत के कोच के रूप में अपने कार्यकाल के समापन के बाद, 2025 आईपीएल सीजन से पहले राजस्थान रॉयल्स (आरआर) में मुख्य कोच के रूप में वापसी करने के लिए तैयार हैं। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार द्रविड़ ने हाल ही में फ्रैंचाइज के साथ एक डील साइन की है और आगामी मेगा नीलामी से पहले खिलाड़ियों को रिटेन करने के बारे में शुरूआती बातचीत की है। द्रविड़ का राजस्थान के साथ इतिहास रहा है। वह आईपीएल 2012 और 2013 में उनके कप्तान थे और 2014 और 2015 सीजन में टीम डायरेक्टर और मेंटर के रूप में काम किया। 2016 में, द्रविड़ दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स) में चले गए, जब तक कि वे 2019 में बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के प्रमुख नहीं बन गए। 2021 में, उन्हें भारत की पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया और उन्होंने 11 वर्षों में अपने पहले आईसीसी खिताब के साथ अपने तीन साल के कार्यकाल का अंत किया।

### रेफरी को अपशब्द कहने पर चोंगकिंग महिला फुटबॉल क्लब की अधिकारी पर प्रतिबंध

**बीजिंग।** चोंगकिंग योंगचुआन महिला फुटबॉल क्लब की एक अधिकारी पर हाल ही में चीनी शीर्ष डिवीजन मैच में रेफरी के साथ दुर्व्यवहार करने के बाद छह मैचों का स्टेडियम प्रतिबंध लगाया गया है। चीनी फुटबॉल एसोसिएशन (सीएफए) ने मंगलवार को उक्त घोषणा की। वुहान के खिलाफ चीनी महिला सुपर लीग मैच के 82वें मिनट में चोंगकिंग की टीम की अधिकारी चेन झूओ ने रेफरी के फैसले का विरोध किया और उन्हें अपशब्द कहे। इसके बाद चेन को रेड कार्ड दिखाया गया। सीएफए के बयान के अनुसार, चेन पर 30,000 युआन (लगभग 4,210 अमेरिकी डॉलर) का जुर्माना भी लगाया गया।

### संग्राम सिंह पाकिस्तान के अली रजा नासिर के खिलाफ करेंगे एमएमए पदार्पण

**नई दिल्ली।** पूर्व राष्ट्रमंडल हैवीवेट चैंपियन संग्राम सिंह इस महीने के अंत में जॉर्जिया में गामा इंटरनेशनल फाइटिंग चैंपियनशिप में पाकिस्तान के अली रजा नासिर के खिलाफ मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) में पदार्पण करेंगे। एमएमए द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, संग्राम सिंह, एमएमए में शामिल होने वाले पहले भारतीय और भारतीय कुश्ती महासंघ के पहले पुरुष पहलवान, 21 सितंबर को जॉर्जिया के टिबिलिसी में हीरोज स्क्वायर में नासिर के खिलाफ मुकाबला करेंगे। हालांकि, वह पूजा तोमर के बाद एमएमए फाइटर के रूप में प्रतिस्पर्धा करने वाले दूसरे भारतीय होंगे। संग्राम सिंह के करियर का यह महत्वपूर्ण अवसर न केवल कुश्ती से मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स में उनके सफल बदलाव का प्रतीक है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि एमएमए में अपने पदार्पण के माध्यम से वह इस खेल को भारत में युवा लोगों के करीब लाने के लिए कितने समर्पित हैं।

# मोदी सरकार में बदली पैरा एथलीटों की स्थिति

● अब वैश्विक स्तर पर कर रहे देश को गौरवान्वित

**नई दिल्ली। एजेंसी**

ऐसे कई अवसर रहे हैं, जब दिव्यांगों के प्रति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विशेष लगाव सबके सामने आया है। विशेष रूप से जिस प्रकार उन्होंने दिव्यांग खिलाड़ियों का साथ दिया है उसकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है। खासकर उन्होंने एथलीटों का वर्णन करने के लिए 'दिव्यांग' शब्द को अपनाया है, जो उनकी विकलांगताओं पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय उनकी असाधारण क्षमताओं और प्रतिभाओं पर जोर देता है। मोदी सरकार ने दिव्यांग एथलीटों के लिए बेहतर प्रदर्शन करने के लिए अनुकूल माहौल बनाने, बाधाओं को तोड़ने और खेल के क्षेत्र में समान अवसरों की वकालत करने के लिए काम किया है। इस पहल के मूल में दिव्यांग खिलाड़ियों का समर्थन करने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण है।

सरकार ने अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे में निवेश किया है, यह सुनिश्चित करते हुए कि खेल सुविधाएँ दिव्यांग एथलीटों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन की गई हैं। यह न केवल उनके प्रशिक्षण को सुविधाजनक बनाता है बल्कि व्यापक खेल समुदाय में समावेशिता को भी बढ़ावा देता है। दिव्यांग एथलीटों को मुख्यधारा के

खेल कार्यक्रमों में शामिल करना एक महत्वपूर्ण कदम रहा है।

सरकार ने विशेष प्रशिक्षण और कोचिंग प्रदान करने के लिए खेल संगठनों के साथ सहयोग किया है, जिससे ये एथलीट उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हो सकें। मोदी प्रशासन ने दिव्यांग व्यक्तियों के बीच प्रतिभा की खोज और पोषण को बढ़ावा देने वाली पहलों का सक्रिय रूप से समर्थन किया है, यह सुनिश्चित करते हुए कि उन्हें अपने सक्षम समकक्षों के समान अवसरों तक पहुंच प्राप्त हो। दिव्यांग एथलीटों की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए, मोदी सरकार ने खेल संगठनों में सकारात्मक कार्रवाई की नीतियों को लागू किया है। इसमें राष्ट्रीय टीमों में आरक्षित स्थान बनाना, दिव्यांग खिलाड़ियों की भर्ती के लिए खेल क्लबों को प्रोत्साहित करना और विकलांग एथलीटों से संबंधित रूढ़ियों और पूर्वाग्रहों को चुनौती देने वाले जागरुकता अभियानों को बढ़ावा देना शामिल है। दिव्यांग खिलाड़ियों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से वित्तीय सहायता भी दी गई है। मोदी सरकार के आने से पहले पैरा एथलीटों की स्थिति खराब थी मोदी सरकार के आने से पहले पैरालिंपिक में भारत की स्थिति काफी खराब थी। अगर इतिहास पर नजर डालें तो इतिहास खुद-ब-खुद पैरा एथलीटों को लेकर पुरानी सरकारों की सोच को उजागर करता है।

यदि पैरालिंपिक के इतिहास पर नजर डाला जाए तो भारतीय एथलीट कुछ खास नहीं कर सके थे। ओलंपिक डॉट काम के अनुसार 1960 से लेकर 2012 तक भारत ने केवल 8 पदक जीते थे, जिनमें 2 स्वर्ण, 3 रजत और 3 कांस्य पदक शामिल हैं।

### मोदी सरकार आने के बाद हुआ बड़ा बदलाव

इसके बाद 2014 में मोदी सरकार आने के बाद से पैरा एथलीटों की स्थिति और उनके प्रदर्शन में भी सुधार आया। 1960 से लेकर 2012 तक केवल 8 पदक जीतने वाले भारतीय दल ने 2016 में दो स्वर्ण सहित 4 पदक और 2020 टोक्यो पैरालंपिक में पांच स्वर्ण सहित 19 पदक जीते।

# पेरिस पैरालिंपिक : सचिन ने पुरुषों की शॉटपुट एफ46 स्पर्द्धा में जीता रजत

**पेरिस। एजेंसी**

पैरा-एथलीट सचिन खिलारी ने बुधवार को चल रहे पेरिस पैरालिंपिक में पुरुषों की शॉट पुट एफ46 फाइनल में रजत पदक जीता। सचिन ने 16.32 मीटर थ्रो के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जो क्षेत्र का सर्वश्रेष्ठ (एबी) भी है। हालांकि, भारतीय एथलीट 0.6 मीटर से चूकने के कारण शीर्ष स्थान से चूक गए। कनाडा के ग्रेग स्टीवर्ट ने 16.38 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता, यह उनका सीजन का सर्वश्रेष्ठ (एसबी) प्रदर्शन भी था। इस बीच, क्रोएशिया के लुका बाकोविक ने 16.27 मीटर थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता।

हांग्जो में पिछले एशियाई पैरा खेलों में, सचिन ने स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के 2023 और 2024 संस्करणों में शीर्ष स्थान हासिल किया। भारतीय पैरा-एथलीटों ने तीन वर्ष पहले टोक्यो

पैरालंपिक खेलों में जीते गए 19 पदकों के अपने सर्वोच्च स्तर को पार करते हुए पेरिस में इतिहास रच दिया है। भारत ने अब तक 21 पदक जीत लिया है, जिसमें 3 स्वर्ण, 8 रजत और 10 कांस्य पदक शामिल हैं। टोक्यो संस्करण (24 अगस्त - 5 सितंबर, 2021) में भारत ने पांच स्वर्ण, आठ रजत और छह कांस्य सहित 19 पदकों के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

### भाविनाबेन पटेल टेबल टेनिस महिला एकल वर्ग 4 के क्वार्टर फाइनल में हारीं

पेरिस। टोक्यो पैरालिंपिक की रजत पदक विजेता भारतीय पैरा-पैडलर भाविनाबेन पटेल को बुधवार को पेरिस पैरालिंपिक 2024 में महिला एकल वर्ग 4 के क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। चीन की झोउ यिंग के खिलाफ एक करीबी मुकाबले वाले क्वार्टर फाइनल मैच में, पटेल अंततः 12-14, 9-11, 11-8, 6-11 के स्कोर से हार गईं। पहले गेम ने मैच की दिशा तय कर दी, जिसमें दोनों खिलाड़ियों ने कड़ी टक्कर दी। पटेल ने बहादुरी से लड़ाई लड़ी, लेकिन यिंग का कौशल अंतर साबित हुआ, चीनी पैडलर ने पहला सेट 14-12 से जीत लिया। यिंग ने दूसरे गेम में भी अपनी गति बनाए रखी, खेल पर हावी रही और 11-9 से आरामदायक जीत हासिल की। एलिमिनेशन का सामना करते हुए, पटेल ने तीसरे गेम में वापसी की और, इसे 11-8 से जीता, जिससे मैच निर्णायक चौथे गेम में चला गया। चौथे गेम में एक आशाजनक शुरूआत के बावजूद, पटेल अपनी गति को बनाए रखने में असमर्थ रहीं। यिंग ने नियंत्रण हासिल किया और 6-11 की जीत के साथ मैच को समाप्त कर दिया, जिससे पेरिस पैरालिंपिक में पदक जीतने की पटेल की उम्मीदें खत्म हो गईं।

### पुरुषों की भाला फेंक एफ46 स्पर्द्धा अजीत ने रजत,सुंदर ने जीता कांस्य

नई दिल्ली। अजीत सिंह ने मंगलवार देर रात स्टेड डी फ्रांस में पेरिस 2024 पैरालिंपिक में पुरुषों की भाला फेंक एफ46 स्पर्द्धा में रजत पदक जीता, जबकि सुंदर सिंह गुर्जर ने इसी स्पर्धा का कांस्य पदक अपने नाम किया। अजीत ने पांचवें राउंड में 65.62 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया और अपना पहला पैरालंपिक पदक जीता। विश्व रिकॉर्ड धारक सुंदर चौथे राउंड में 64.96 मीटर के थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे। उन्होंने टोक्यो 2020 में इसी श्रेणी में कांस्य पदक जीतकर अपना दूसरा पैरालंपिक पदक जीता। प्रतियोगिता में तीसरे भारतीय रिंकू 61.58 मीटर के साथ पांचवें स्थान पर रहे। क्यूबा के गिलर्मो वरोना गोंजालेज ने 66.14 मीटर के दूसरे दौर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता।

# सुमित ने पेरिस पैरालंपिक में जीता गोल्ड

**सोनीपत। एजेंसी**

हरियाणा के सोनीपत जिले के गोल्डन ब्वाय सुमित अंतिल ने एक बार फिर देश का नाम रोशन किया है। टोक्यो पैरालंपिक में जैवलिन थ्रो में स्वर्ण पदक जीतने वाले सुमित अंतिल ने पेरिस पैरालंपिक में भी स्वर्ण पदक जीतकर नया इतिहास रच दिया है। सुमित ने टोक्यो का अपना ही रिकार्ड पेरिस में तोड़ दिया। सुमित का स्वर्ण पदक जीतना दिव्यांग लोगों के लिए प्रेरणा है। सुमित के लिए यह सफर आसान नहीं रहा है। सोनीपत जिले में 7 जून 1998 को जन्म लेने वाले सुमिल अंतिल के पिता एयरफोर्स में तैनात थे।

पिता के निधन के समय सुमित सिर्फ सात साल का था। मां निर्मला देवी ने सभी कठिनाइयों के बावजूद अपने चारों बच्चों का पालन-पोषण किया। वर्ष 2015 में एक हादसे में सुमित ने अपना एक पैर खो दिया, लेकिन उन्होंने कभी हिम्मत नहीं हारी और खेलों में अपना करियर बनाया। सुमित ने हर कठिनाई का डटकर मुकाबला किया। टोक्यो में स्वर्ण पदक जीतकर उन्होंने अपने परिवार को गौरवान्वित होने का अवसर दिया। सुमित अंतिल की खेल यात्रा संघर्ष, दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास की कहानी है।

# पुरुषों की ऊंची कूद टी63 स्पर्द्धा में शरद ने रजत, मरियप्पन ने जीता कांस्य

**नई दिल्ली। एजेंसी**

पेरिस 2024 पैरालिंपिक में पुरुषों की ऊंची कूद टी63 स्पर्धा में मंगलवार देर रात शरद कुमार ने रजत और मरियप्पन थंगावेलु ने कांस्य पदक जीता। शरद ने टी42 श्रेणी में मरियप्पन का पैरालंपिक रिकॉर्ड भी तोड़ा। उन्होंने टोक्यो 2020 में मरियप्पन के 1.86 मीटर के रिकॉर्ड को पार करने के लिए अपने दूसरे प्रयास में 1.88 मीटर पर निर्धारित बार को पार किया। इस प्रक्रिया में, शरद ने पिछले संस्करण में कांस्य पदक जीतने के बाद अपना दूसरा सीधा पैरालंपिक

पदक भी जीता। हालांकि, शरद 1.91 मीटर पार करने में विफल रहे। फिर उन्होंने बार को 1.94 मीटर तक बढ़ाया और दो और प्रयास विफल रहे। टी63 श्रेणी में विश्व रिकॉर्ड धारक यूएसए के एज्रा फ्रेच ने 1.94 मीटर के नए पैरालंपिक रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। 2016 में रियो डी जेनेरियो में स्वर्ण और टोक्यो में रजत जीतने वाले मरियप्पन 1.88 मीटर पर तीन असफल प्रयासों से पहले 1.85 मीटर तक ही बार पार कर सके।

## वाणिज्य

# हरित हाइड्रोजन को बढ़ावा देने के लिए स्टार्टअप लाने की जरूरत: प्रह्लाद जोशी

**नई दिल्ली। एजेंसी**

केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बुधवार को हरित हाइड्रोजन क्षेत्र में नए विचार लाने तथा युवाओं को शामिल करने के लिए स्टार्टअप लाने की जरूरत पर जोर दिया। प्रह्लाद जोशी ने 'हरित हाइड्रोजन इंडिया' 2024 के दूसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा कि ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को आगे बढ़ाने के लिए हमें स्टार्टअप लाने की जरूरत है, क्योंकि इसके लिए युवा तथा नए विचारों की जरूरत है। ग्रीन हाइड्रोजन पर दूसरा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 11 से 13 सितंबर तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा।

मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि इस आयोजन का मकसद ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि इसके लिए सरकार ने 19,744 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। इस प्रदर्शनी में ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पाद तथा प्रौद्योगिकी से संबंधित 120 से ज्यादा स्टॉल होंगे। इसमें 150 से अधिक राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय वक्ता शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर और नीदरलैंड मुख्य रुचि के क्षेत्र होंगे। इन पर सत्र भी आयोजित किए जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि नई दिल्ली में आयोजित होने वाले इस सम्मेलन का आयोजन नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) द्वारा भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक कार्यालय के सहयोग से किया जा रहा है। यह ग्रीन हाइड्रोजन परिदृश्य के बारे में हमारी समझ को गहरा करने और वैश्विक वैज्ञानिक समुदायों और उद्योगों के साथ संबंधों को बढ़ावा देने का एक शानदार अवसर होगा। इस कार्यक्रम के साझेदार भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) और सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया हैं।

# सरकार ने निर्यातकों के लिए ब्याज समानीकरण योजना 30 तक बढ़ाई

**नई दिल्ली। एजेंसी**

सरकार ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए ब्याज समानीकरण योजना को एक और महीने के लिए 30 सितंबर, 2024 तक बढ़ा दिया है। इस योजना का मकसद निर्यात को प्रोत्साहन देना है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की ओर से जारी एक व्यापार अधिसूचना में कहा गया है कि व्यापार तथा उद्योग को सूचित किया जाता है कि निर्यातकों के लिए निर्यात से पहले और बाद में रुपये में लिये जाने वाले कर्ज पर ब्याज समानीकरण योजना की अवधि 30 सितंबर, 2024 तक बढ़ा दी गई है। अधिसूचना के मुताबिक निर्यातकों को ब्याज लाभ प्रदान करने वाली यह योजना 31 अगस्त, 2024 को समाप्त हो गई थी। जून में इस योजना को दो महीने के लिए

बढ़ाया गया था। ये योजना केवल एमएसएमई विनिर्माण निर्यातकों के लिए है। उल्लेखनीय है कि निर्यातकों को निर्यात से पहले और बाद में रुपये में लिये जाने वाले कर्ज पर ब्याज समानीकरण योजना के तहत सब्सिडी मिलती है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इससे पहले 8 दिसंबर, 2023 को इस योजना को 30 जून तक जारी रखने के लिए 2,500 करोड़ रुपये के अतिरिक्त आवंटन को अपनी मंजूरी दी थी।

### पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर, कच्चा तेल 74 डॉलर प्रति बैरल के करीब

**नई दिल्ली।** अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में गिरावट का रुख है। ब्रेंट क्रूड का मूल्य 74 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 70 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक, दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये, डीजल 89.97 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये, डीजल 91.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के तीसरे दिन शुरूआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.47 डॉलर यानी 0.64 फीसदी की गिरावट के साथ 73.28 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.51 डॉलर यानी 0.73 फीसदी फिसलकर 69.83 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

# लाल निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 202 अंक टूटा

**नई दिल्ली। एजेंसी**

वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख और अमेरिकी बाजार में नरमी की आशंका को लेकर घरेलू शेयर बाजार हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन लाल निशान पर बंद हुआ। शेयर बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक में गिरावट रही। बीएसई का सेंसेक्स 202 अंक तक टूटा और एनएसई के निफ्टी पर भी 14 दिनों से जारी तेजी पर विराम लगा और यह 81 अंक तक लुढ़क गया। कारोबार के अंत में बॉम्बेज स्टॉकक एक्स चेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 202.80 अंक यानी 0.25 फीसदी की गिरावट के साथ 82,352.64 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉ.क एक्सीचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 81.15 अंक यानी 0.32 फीसदी लुढ़कर 25,198.70 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स एक समय 721.75 अंक तक लुढ़क गया था, जबकि निफ्टी 196.05 अंक टूट गया था। इससे पहले लगातार 14 दिनों की तेजी में निफ्टी 1,141 अंक यानी 4.59 फीसदी चढ़ा था। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, एक्सिस बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंफोसिस, लार्सन एंड टुब्रो, टाटा स्टील, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, बजाज फाइनेंस और अडाणी पोर्ट्स में प्रमुख रूप से गिरावट रही। दूसरी ओर मुनाफे में रहने वाले शेयरों में एशियन पेंट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, अल्ट्राटेक सीमेंट, सन फार्मा और रिलायंस इंडस्ट्रीज शामिल हैं।

# सड़क दुर्घटनाएं एवं उनसे कारित मृत्यु दर को कम करने के लिये समस्त हितधारक विभाग एकजुट होकर कार्य करें : अतिरिक्त मुख्य सचिव,परिवहन विभाग

चमकता राजस्थान

**जयपुर 4 सितंबर।** समर्पित सड़क सुरक्षा कोष संचालन समिति की प्रथम बैठक बुधवार को परिवहन भवन में अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती श्रेया गुहा की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

बैठक में निर्देशित किया गया कि सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिये समस्त हितधारक विभाग साथ मिलकर समुचित कार्ययोजना के साथ काम करें तथा बजट घोषणाओं को मद्देनजर रखते हुए सड़क सुरक्षा के लिए हर संभव प्रयास सुनिश्चित किये जाएं। बैठक में विभिन्न हितधारक विभागों से प्राप्त महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर समिति द्वारा विचार-विमर्श कर अनुमोदन किया गया।

बैठक में पुलिस विभाग से प्राप्त सर्वाधिक सड़क दुर्घटना वाले राजमार्गों पर सड़क दुर्घटनाएं कम करने की दृष्टि से 50 हाईवे पैट्रोलिंग वाहन, 50 इंटरसेप्टर्स सहित चयनित 200 पुलिस थानों के कार्मिकों हेतु बेसिक लाइफ प्रशिक्षण, Post Accidents Victim Handling हेतु चयनित पुलिस थानों को आवश्यक बजट एवं पुलिसकर्मियों के क्षमता निर्माण के लिये नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रमों इत्यादि प्रस्तावों पर सहमति दी गई।

इसी प्रकार आर.यू.एच.एस. आयुर्विज्ञान महाविद्यालय, जयपुर में स्किल लैब की स्थापना, एनएचएआई एवं राज्य की एंबुलेंस सेवा (108) के एकीकरण एवं सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों के समुचित उपचार हेतु एसएमएस अस्पताल,

जयपुर एवं मथुरादास माथुर चिकित्सालय जोधपुर के लिये ट्रोमा संबंधी उपकरणों के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।

राज्य सड़क सुरक्षा प्रकोष्ठ, परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग द्वारा WHO एवं AIIMS, New Delhi के सहयोग से राजकीय एवं निजी महाविद्यालयों के छात्रों के लिए बेसिक लाइफ प्रशिक्षण देने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया, ताकि अधिक से अधिक युवा संवेदनशील होकर सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों की चिकित्सा सहायता कर सकें।

उल्लेखनीय है कि पूर्व में भी राज्य सड़क सुरक्षा प्रकोष्ठ द्वारा WHO एवं AIIMS, New Delhi के सहयोग से पॉयलेट प्रोजेक्ट के रूप में जयपुर के 5 कॉलेजों के 200 टीचर्स एवं 1500 स्टूडेंस को बेसिक लाइफ का प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जिससे प्रेरित होकर कनोडिया महिला पी.जी. महाविद्यालय, जेईसीआरसी एवं निर्वाण विश्वविद्यालय में बेसिक लाइफ प्रशिक्षण केन्द्र भी संचालित किया जा रहा है।

आईडीटीआर रेलमगरा के उदयपुर-गोगुंदा पिंड़वाड़ा राजमार्ग को दुर्घटनारहित बनाने हेतु वृहद स्तर पर सड़क सुरक्षा गतिविधियों एवं प्रशिक्षण के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। इसके अतिरिक्त परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग के उड़नदस्तों के लिये Body Worn Camera एवं Vehicle Mounted Camera भी दिये जाने की सहमति दी गई।

सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा प्रस्तुत ब्लैक स्पॉट दुरूस्तीकरण के प्रस्ताव को भी अनुमादित किया गया।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने सभी हितधारकों के अनुमोदित प्रस्तावों को शीघ्र ही अमलीजामा पहनाने पर जोर दिया।

बैठक में परिवहन आयुक्त श्रीमती मनीषा अरोड़ा सहित राज्य सड़क सुरक्षा प्रकोष्ठ एवं संबंधित हितधारक विभागों के अधिकारी एवं प्रतिनिधि मौजूद रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### खेतों में बैठकर साइबर ठगी करते 9 आरोपी पकड़े

- 9 मोबाइल और फर्जी सिम बरामद, सेक्सटॉर्शन के जरिए करते थे ठगी

**चमकता राजस्थान। जयपुर/भरतपुर (खलील कुरैशी)।** डीग जिले की कामां थाना पुलिस ने 9 साइबर ठगों को पकड़ा है। उसमें से 4 युवक नाबालिग हैं। आरोपी सेक्सटॉर्शन के जरिए लोगों से ठगी करते थे। साइबर ठगों से 9 मोबाइल और फर्जी सिम बरामद किए गए हैं। पुलिस जैसे ही मुखबिर के बताई जगह पर पहुंची तो आरोपी खेतों में भागने लगे। पुलिसकर्मियों ने खेतों में भागकर घेराबंदी कर आरोपियों को पकड़ा।कामां थाना अधिकारी मनीष शर्मा ने बताया कि गश्त के दौरान पुलिस की टीम को सूचना मिली थी कि पालड़ी के जंगलों में बैठकर कुछ युवक साइबर ठगी का काम कर रहे हैं। सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। जहां गांव से करीब 1 किलोमीटर दूर कुछ युवक मोबाइल चला रहे थे। जैसे ही युवकों ने पुलिस की टीम को देखा तो, वह खेतों भागने लगे। पुलिस ने घेराबंदी कर 9 युवकों को पकड़ा। पूछताछ में पता लगा की, 9 आरोपियों में से 4 युवक नाबालिग हैं। सभी की तलाशी ली गई जिनसे 9 मोबाइल और फर्जी सिम मिली। पूछताछ में आरोपियों ने बताया की सभी आरोपी सेक्सटॉर्शन के जरिए लोगों को अपने जाल में फंसाते हैं और पुलिस के बड़े अधिकारी बनकर उनसे पैसे ऐंठते हैं।लोगों से ऐंठे गए रुपयों को फर्जी, अरू कार्ड से निकालते हैं। आरोपियों से जब्त हुए मोबाइल में फर्जी आईडी मिली जिनसे सोशल मीडिया पर अकाउंट बनाया हुआ था।

### राजस्थान पुलिस अधीनस्थ सेवा 1989 में संशोधन

- राजस्थान सरकार ने लिया महत्वपूर्ण फैसला
- महिलाओं को पुलिस भर्ती में मिलेगा 33% आरक्षण

**चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी)** प्रदेश सरकार ने बुधवार को कैबिनेट की बैठक में कुछ अहम फैसले लिए, जिनमें पुलिस विभाग में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने का फैसला मुख्य तौर पर शामिल है। इसके लिए राजस्थान पुलिस अधीनस्थ सेवा 1989 में संशोधन किया गया है।सीएम शर्मा ने योजना की घोषणा कर दी थी, जिसे अब कैबिनेट द्वारा स्वीकृति मिल गई है। फैसले का उद्देश्य पुलिस बल में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाना और उन्हें अधिक रोजगार के अवसर प्रदान करना है। सरकार का यह निर्णय राज्य में महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कैबिनेट बैठक के बाद विधि मंत्री ने कहा कि इस निर्णय से पुलिस बल में लैंगिक समानता को बढ़ावा मिलेगा और महिलाओं के प्रति अपराधों में कमी आएगी। इस संशोधन के बाद राजस्थान पुलिस विभाग की आने वाली भर्तियों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा, जिससे उनकी संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की उम्मीद है।

# दो सगी बहनो को बहला-फुसला कर भगा ले जाकर गैग रेप प्रकरण मे दो मुख्य आरोपी गिरफ्तार

चमकता राजस्थान

**जयपुर/ संगरिया( खलील कुरैशी)** पुलिस थाना संगरियाः- दिनांक 20.07.2024 को परिवादी ने एक रिपोर्ट इस आशय से कि कल सुबह मेरीपत्नी मेरी दोनो लडकियों का स्कूल छोड कर आई थी। उसके पश्चात मेरी दोनो नाबालिग लडकियो को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसला कर भगा कर ले गया वगैरा वगैरा रिपोर्ट पर मु0न0 435/2024 धारा 137 (2) बी.एन.एस. 2023 मे दर्ज कर अनुसंधान रणवीर स०उ०नि० पुलिस थाना संगरिया द्वारा शुरू किया गयाओमप्रकाश आईपीएस महानिरीक्षक पुलिस बीकानेर, रेंज बीकानेर एवं विकास सांगवान आईपीएस जिला पुलिस अधीक्षक हनुमानगढ के निर्देशन मे प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए प्यारेलाल मीणा अतिरिक्त पुलिस

अधीक्षक सेक्टर हनुमानढ एवं करण सिंह उप पुलिस अधीक्षक वृत संगरिया के निकटतम सुपरविजन मे धर्मपाल पु०नि० थानाधिकारी पुलिस थाना संगरिया के नेतृत्व मे टीमे गठित कर अलग अलग स्थानो पर तलाश हेतु रवाना किया गया। टीम द्वारा मानवीय एवं तकनीकी आसूचना संकलन कर सीमावर्ती राज्य पुलिस के सहयोग से दोनो नाबालिग बहनो को दस्तयाब कर मेडिकल बोर्ड का गठन कर मेडिकल करवाया गया।प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए त्वरित अनुसंधान हेतु नीलम चौधरी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रक्वउअह द्वारा धारा 137 (2),65(2),70(2),87 (2),142 बीएनएस 2023,3/4,5 (जी (एल)/06 पोक्सो एक्ट में शुरू किया गया। प्रकरण मे दोनो नाबालिग बहनो के ब्यान माननीय न्यायालय मे लेखबद्व करवाये जा चुके है। दोनो नाबालिग बहने वर्तमान मे स्वस्थ है जिन्हे प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुटटी दे दी गई है।प्रकरण मे दोनो नाबालिग बहनो को बहला-फुसला कर भगा ले जाने वाले दोनो मुख्य आरोपियो संदीप कुमार पुत्र रामपाल ईटकाण पंजाबी धाणक उम्र 27 साल निवासी वार्ड न0 06 कन्हैया की दुकान के पास रायसिहनगर हॉल किरायेदार रोहताश दुर्गा कॉलोनी / ज्याणी कॉलोनी आदमपुर मण्डी जिला हिसार व कुलदीप पुत्र दोलतराम मेघवाल उम्र 21 साल निवासी वार्डन 10 नुकेरा तहसील संगरिया को दस्तयाब कर बाद अनुसंधान आज गिरफतार किया गया। अन्य आरोपियो की पहचान एवं तलाश हेतु टीमे बनाकर संभावित स्थानो पर दबिश दी जा रही है। प्रकरण मे अनुसधान जारी है।

# झंडे की रस्म के साथ हजरत मखदूम साहब रहमतुल्लाह अलैहे का उर्स का हुआ विधिवत आगाज

चमकता राजस्थान

**जयपुर (खलील कुरैशी) सांभर लेक।** कस्बे के समीपवर्ती नरैना रोड स्थित दरगाह हजरत मखदूम साहब रहमतुल्लाह अलैहे के उर्स का बुधवार को आगाज हुआ। खादीम एडवोकेट नौशाद ने बताया की सामाजिक समरसता और गंगा जमुनी तहजीब के प्रतिक सुफी संत मख़दूम साहब रहमतुल्लाह अलैहि की दरगाह शरीफ में बाद नमाज असर उर्स के झंडे की रसम मरहूम छोटू खा अगवान के साहबजादे शफात खान, फारुक खान, इकबाल हुसैन, जुल्फिकार हुसैन,

हाजी बाबू खान, लतीफ अगवान व अगवान खानदान की जानिब से अदा की गई। गौरतलब है कि हर वर्ष की भाँति झंडे रसम के लिए लवाजमे के साथ अकीदतमंदों का जत्था दरगाह शरीफ पहुंचा उर्स के दौरान जायरीनों, मस्त मलंगों द्वारा हैरतअंगेज कारनामे दिखाएं गए उर्स मुबारक मौके पर फातिया, कुरान ख्वानी, महफ़लि ए शंमा कव्वाली आदि कार्यक्रम होंगे और कुल की रस्म अदायगी भी होगी इस दौरान पूरा दरगाह परिसर विशेष रूप से लाइटों से सजाया गया।

## नदबई,प्राचार्य शिक्षक संवाद और अहिल्याबाई होल्कर की 300 वी जयंती मनाई

**चमकता राजस्थान। नदबई (राजवीर सिंह)।** लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर का व्यक्तित्व भारतीय इतिहास का वह चरित्र है जिसके आलोक में भारतीय नारीवाद का स्वरूप स्पष्ट होता है जिसमें एक नारी बेटी के रूप में ,वधु के रूप में ,पुत्री के रूप में, पत्नी के रूप में और एक प्रशासिका रूप में अपने व्यक्तित्व को स्थापित करती है -ये विचार प्रोफेसर सतीश त्रिगुणायत उपाध्यक्ष अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उच्च शिक्षा राजस्थान ने एस.आर.पी.जी. कॉलेज नदबई में आयोजित लोकमाता अहिल्याबाई तीन सौवीं जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किये। प्रोफ-सर सतीश त्रिगुणायत ने बताया कि अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के जन्मदिन को अखिल भारतीय स्तर पर मनाने का निर्णय किया है ।यह निर्णय उनके व्यक्तित्व के विभिन्न पक्षों को उजागर करने और पाश्चात्य नॉरेटिव को ध्वस्त करने के लिए लिया गया है ।उन्होंने संगठन की रूपरेखा एवं संगठन के उद्देशयों पर भी विचार डाला ।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर योगेंद्र भानु सह विभाग संयोजक अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उच्च शिक्षा राजस्थान ने अहिल्याबाई होलकर के व्यक्तित्व के विविध पहलुओं पर प्र-काश डाला ।उन्होंने बताया कि अहिल्याबाई का व्यक्तित्व भारतीय नारीवाद का प्रतिनिधि चरित्र है ।कार्यक्रम में प्रोफेसर सुरेंद्र सिंह सिंह सिनसिनवार प्राचार्य आनंद टीटी कॉलेज भरतपुर एवं जिला प्रचार प्रमुख अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने अहिल्याबाई के व्यक्तित्व पर विचार प्रकट किया ।इस अवसर पर राजकीय महाविद्यालय नदबई के प्राचार्य प्रोफेसर अशोक शर्मा ने कहा कि ऊर्जा प्रकृति में अधिष्ठित है और प्रकृति की प्रतिनिधि नारी है ।कार्यक्रम के अंत में आभार व्यक्त करते हुए संस्था निदेशक श्री अजय कटारा ने अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के प्रयासों एवं लक्ष्य की सराहना की। उन्होंने पधारे हुए विभिन्न महाविद्यालय से पधारे हुए शिक्षक गणों का धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ केवल शिक्षक संगठन नहीं है अभी तो यह राष्ट्रवाद को लेकर समाज परिवर्तन की दिशा में कार्य करने वाला संगठन है ।हम सभी को उनके कार्यक्रमों को स्वीकार करना चाहिए और एस. आर.पी.जी. कॉलेज हमेशा महासंघ के प्रत्येक कार्यक्रम के लिए सदैव तत्पर रहेगा। कार्यक्रम की संयोजक डॉक्टर मृत्युंजय शर्मा प्राचार्य आरपीसी कॉलेज ने सभी आगंतुक शिक्षकों का धन्यवाद व्यक्त किया कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नदबई एवं नगर के महाविद्यालयों के प्राध्यापक गण उपस्थित रहे।

# शिक्षक दिवस पर राष्ट्रीय कायस्थ सेवा संघ की शिक्षा संस्थानों में एक प्रतिशत आरक्षण की अपील

चमकता राजस्थान

**नई दिल्ली।** शिक्षक दिवस के अवसर पर, राष्ट्रीय कायस्थ सेवा संघ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक महत्वपूर्ण पत्र भेजा है, जिसमें उन्होंने शिक्षा संस्थानों में शिक्षक पदों पर कायस्थ समाज के लिए एक प्रतिशत आरक्षण की मांग की है। संघ ने इस पत्र में कायस्थ समाज के योगदान और शिक्षा के प्रति उसके प्रति उच्च मान्यता की बात की है, लेकिन साथ ही आरक्षण नीति के लागू होने के बाद सामने आई समस्याओं पर भी प्रकाश डाला है।

### कायस्थ समाज का योगदान और समस्याएँ

कायस्थ समाज ने भारतीय शिक्षा प्रणाली में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और शिक्षा को हमेशा सर्वोच्च मान्यता दी है। हालांकि, आरक्षण नीति के लागू होने के बाद, इस समाज ने कई समस्याओं का सामना किया है। संघ का कहना है कि शिक्षित होते हुए भी कायस्थ समाज के लोगों को रोजगार के अवसरों की कमी का सामना करना पड़ा है। इस संदर्भ में, संघ ने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया है कि शिक्षा संस्थानों में शिक्षक पदों पर एक प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया जाए। संघ का मानना है कि इस कदम से न केवल कायस्थ समाज को रोजगार के अवसर मिलेंगे, बल्कि यह भारतीय शिक्षा प्रणाली को भी सशक्त करेगा। संघ ने यह भी कहा कि एक समर्पित ₹कायस्थ कल्याण बोर्ड₹ का गठन समाज और राष्ट्र के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

### कायस्थ कल्याण बोर्ड का महत्व

कायस्थ कल्याण बोर्ड के गठन की मांग को लेकर संघ ने कहा कि इस बोर्ड के माध्यम से कायस्थ समाज को प्रशिक्षण, शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, और कौशल विकास के क्षेत्रों में विशेष सहयोग मिलेगा। इससे न केवल समाज की सामाजिक और आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, बल्कि विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों में कार्यक्षमता और दक्षता भी बढ़ेगी। संघ का कहना है कि कायस्थ समाज ने अपने पूर्वजों से विरासत में मिली क्षमताओं का विकास किया है, जो अब राष्ट्रीय विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। बोर्ड के गठन से कायस्थ समाज को समाज विकास और उत्थान के कार्यों में सक्रिय रूप से शामिल किया जा सकेगा, जिससे एक समृद्ध और सक्षम भारत का निर्माण होगा।

### अभियान की राष्ट्रीय संयोजन

» इस महत्वपूर्ण अभियान के राष्ट्रीय संयोजक के रूप में वेद आशीष श्रीवास्तव (भोपाल, मध्यप्रदेश), ललित सक्सेना (जयपुर, राजस्थान), अमित सक्सेना (जयपुर), को नियुक्त किया गया है। यह अभियान भारत के विभिन्न जिलों और ब्लॉकों में चलाया जा रहा है, जिसमें संघ ने समाज के सदस्यों और आम नागरिकों को इस मुद्दे के समर्थन में सक्रिय भागीदारी की अपील की है।

### समाज और राष्ट्र के विकास की दिशा में कदम

» संघ ने स्पष्ट किया कि कायस्थ कल्याण बोर्ड का गठन केवल कायस्थ समाज के उत्थान का माध्यम नहीं होगा, बल्कि यह भारतीय समाज और राष्ट्र के समग्र विकास में भी एक महत्वपूर्ण योगदान देगा। कायस्थ समाज की पेशेवर क्षमताएँ और उसके पूर्वजों से मिली विशेषज्ञता को ध्यान में रखते हुए, यह बोर्ड समाज की विकासशील भूमिकाओं को सशक्त बनाने में सहायक होगा। कायस्थ समाज के इस अभियान का लक्ष्य न केवल शिक्षा के क्षेत्र में सुधार करना है, बल्कि समाज के अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी योगदान देना है। प्रधानमंत्री से इस मांग पर सकारात्मक प्रतिक्रिया की उम्मीद की जा रही है, जिससे समाज के आर्थिक और सामाजिक उत्थान के साथ-साथ भारतीय शिक्षा प्रणाली को भी सशक्त किया जा सके।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929